PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 249 ● भिलाई, सोमवार 13 अप्रैल 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

पलक झपकते ही पानी में समा गईं 3 लड़कियां

आल्लूरी। आंध्र प्रदेश के आल्लूरी सीतारामाराजू जिले से एक बेहद दर्दनाक और रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई है। त्योहार की छुट्टियों का जश्न उस वक्त मातम में बदल गया, जब मुल्लुंगुम्मी वाटरफॉल पर मौज-मस्ती करने गईं तीन किशोरियों की डूबने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि यह खौफनाक हादसा महज एक सेल्फी लेने के चक्कर में हुआ। इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि सोशल मीडिया पर अच्छी तस्वीरों और रोमांच की चाहत कैसे पल भर में हंसती-खेलती जिंदगियां छीन सकती है। जानकारी के मुताबिक, यह दिल दहला देने वाला हादसा हुकुमपेटा मंडल के बुरजा पंचायत के पास स्थित मुल्लुंगुम्मी वाटरफॉल पर हुआ। जांबावलासा गांव की रहने वाली पांच लड़कियां त्योहार की छुट्टियों के दौरान इस वाटरफॉल पर घूमने आई थीं। पुलिस के मुताबिक, ये लड़कियां वाटरफॉल के पास खड़ी होकर तस्वीरें और सेल्फी वीडियो ले रही थीं।

भारत फ्रांस से खरीदेगा 114 नए राफेल

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना की ताकत में जल्द ही एक बड़ा इजाफा होने जा रहा है। भारत फ्रांस से 114 नए राफेल लड़ाकू विमान खरीदने की महा-योजना पर तेजी से काम कर रहा है। लेकिन इस बार यह डील सामान्य नहीं होगी। भारत ने इस 3.25 लाख करोड़ रुपये के रक्षा सौदे में एक ऐसी कड़ी शर्त जोड़ दी है, जिसने दुश्मनों की नींद उड़ा दी है। सरकार ने साफ कर दिया है कि इन नए राफेल विमानों में भारत में बनी स्वदेशी मिसाइलों और घातक हथियार प्रणालियों को पूरी तरह से एकीकृत (इंटीग्रेट) करना अनिवार्य होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, 'खरीदो और बनाओ' मॉडल के तहत होने वाली इस डील में इंटरफेस कंट्रोल डॉक्यूमेंटको पक्का किया जाएगा, ताकि देसी हथियारों के इस्तेमाल में कोई तकनीकी रुकावट न आए। रक्षा मंत्रालय की तरफ से अगले महीने फ्रांसीसी जेट निर्माता कंपनी डसॉल्ट को रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल जारी किए जाने की उम्मीद है, जिसके बाद इस अनुबंध पर अंतिम बातचीत शुरू हो जाएगी। आपको बता दें कि रक्षा अधिग्रहण परिषद ने बीते 12 फरवरी को ही इस मेगा डील को अपनी हरी झंडी दे दी थी।

किसान आंदोलन पर हरियाणा पुलिस अलर्ट, हाईवे-टोल और मंडियों में विशेष सुरक्षा

चंडीगढ़। संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा 11 अप्रैल को प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन के मद्देनजर हरियाणा में कानून व्यवस्था बनाए रखने को लेकर पुलिस पूरी तरह अलर्ट है। पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल की अध्यक्षता में आयोजित हुई बैठक में प्रदेशभर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रबंधों की समीक्षा की गई। डीजीपी अजय सिंघल ने स्पष्ट किया कि किसान संगठनों द्वारा प्रस्तावित जाम के दौरान शरारती तत्व माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं, इसलिए पहले से ही ठोस रणनीति बनाना आवश्यक है।

अलविदा आशा ताई- आज होगा अंतिम संस्कार

92 साल की उम्र में आशा भोसले ने दुनिया को कहा अलविदा

नई दिल्ली। एजेंसी

मशहूर गायिका आशा भोसले अब इस दुनिया में नहीं रहीं। 92 साल की उम्र में गायिका ने आखिरी सांस ली। आशा भोसले ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती थीं। शनिवार को गायिका की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। फैंस उनके ठीक होने की प्रार्थना कर रहे थे और अब उनके निधन की खबर ने इंडस्ट्री और फैंस को दंग कर दिया है। ब्रीच कैंडी अस्पताल की डॉ. प्रतीत समदानी ने आशा भोसले के निधन की जानकारी देते हुए कहा, आशा भोसले ने आज ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस ली। मल्टी-ऑर्गन फेलियर के कारण उनका निधन हो गया। आशा भोसले के बेटे आनंद भोसले ने भी इस खबर की पुष्टि की है। उन्होंने मीडिया के साथ बातचीत में कहा, मेरी माता जी आशा भोसले का आज निधन हो गया है। कल सुबह 11 बजे लोअर परेल के कासा ग्रांडे में लोग उन्हें अंतिम विदाई देने आ सकते हैं। वहीं, शाम चार बजे शिवाजी पार्क में उनका अंतिम संस्कार होगा। बीती शाम को आशा भोसले को ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तब उनकी पोती जनाई भोसले ने एक पोस्ट के जरिए बताया था कि उनकी दादी को चेस्ट इन्फेक्शन हुआ है। अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। अब उनके निधन की खबर से इंडस्ट्री को बड़ा झटका लगा है। वह सात दशक से सिनेमा पर राज कर रही थीं। खबर आते ही सोशल मीडिया पर शोक की लहर है. वहीं फैंस और सेलेब्स सोशल मीडिया के जरिए रिएक्शन देते हुए नजर आ रहे हैं.

हालांकि निधन से कुछ घंटे पहले देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिग्गज गायिका के स्वस्थ होने की कामना की थी. उन्होंने एक्स पर लिखा, ' 'यह सुनकर चिंता में हूं कि आशा भोसले जी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. उनके अच्छे स्वास्थ्य और जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं.आशा भोसले की सेहत की बात करें तो उन्हें अचानक कार्डियक अरेस्ट आया, जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया था. फिलहाल उनका इलाज इमरजेंसी मेडिकल यूनिट में चला. वहीं आशा भोसले के अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी उनकी पोती जनाई भोसले ने इंस्टाग्राम पर दी थी. उन्होंने पोस्ट में लिखा, मेरी दादी आशा भोसले बहुत ज्यादा थकान और छाती के इन्फेक्शन की वजह से अस्पताल में भर्ती हैं। उनका इलाज चल रहा है और उम्मीद है कि सब ठीक हो जाएगा. हम आपको जल्द ही अच्छी खबर देंगे.आशा भोसले का नाम भारतीय संगीत इतिहास में बेहद सम्मान के साथ लिया जाता है. उन्होंने अपने करियर में आठ दशकों से भी ज्यादा समय तक संगीत जगत में योगदान दिया है. उन्होंने अपने करियर में तकरीबन 12 हजार से ज्यादा गाना गाए हैं, जिनमें 'पिया तू अब तो आजा', 'दम मारो दम', 'ये मेरा दिल', 'चुरा लिया है तुमने', 'इन आंखों की मस्ती के', 'दिल चीज क्या है' जैसे सुपरहिट गाने शामिल हैं. उन्होंने गजल, भजन, पॉप और क्लासिकल हर शैली में अपनी आवाज का जादू बिखेरा.

सुरीली आवाज़ हुई खामोश- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जताया गहरा दुख

भारतीय संगीत जगत की दिग्गज और सदाबहार आवाज आशा भोसले के निधन से पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई है। 92 वर्ष की उम्र में उनके निधन की खबर ने न सिर्फ फिल्म इंडस्ट्री बल्कि करोड़ों प्रशंसकों को भी स्तब्ध कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आशा भोसले के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर उनके साथ अपनी पुरानी तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि भारत ने अपनी सबसे बहुमुखी और प्रसिद्ध आवाज़ों में से एक को खो दिया है। उन्होंने कहा कि आशा जी की दशकों लंबी संगीत यात्रा ने देश की सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया।

योगी ने बदला एक और गांव का नाम

मियांपुर नहीं अब कहिए रविंद्र नगर-सीएम योगी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को लखीमपुर खीरी के दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने एक बड़ा ऐलान किया। मोहम्मदी क्षेत्र के मियांपुर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि मियांपुर गांव का नाम बदलकर अब रविंद्र नगर किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि जिस गांव में एक भी मुसलमान नहीं है उसका नाम मियांपुर कर दिया गया, लेकिन अब यह मियांपुर नहीं रहेगा, अब से यह गांव बांग्लादेश से आए इन हिंदू बंगाली बंधुओं का होगा। मियांपुर गांव अब रविंद्र नगर के नाम से जाना जाएगा। सीएम योगी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि आपकी पहचान छिपाने के लिए कांग्रेस ने गांव का नाम मियांपुर रख दिया। जहां एक भी मियां नहीं उसका नाम मियांपुर हो गया। अब से ये मियांपुर नहीं रहेगा।

नासा का ओरियन अंतरिक्ष यान, जिसमें आर्टेमिस 2 के क्रू सदस्य— नासा के अंतरिक्ष यात्री रीड वाइज़मैन (कमांडर), विक्टर ग्लोवर (पायलट), क्रिस्टीना कोच (मिशन स्पेशलिस्ट), और सीएसए (कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी) के अंतरिक्ष यात्री जेरेमी हैनसेन (मिशन स्पेशलिस्ट)—सवार हैं।

बंगाल चुनाव में वोटर लिस्ट वाला बड़ा खेल!

नई लिस्ट ने बढ़ाई सीएम ममता बनर्जी की मुसीबत

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल की राजनीति में इस बार चुनावी आंकड़ों और वोटर लिस्ट में हुए बड़े फेरबदल की वजह से गर्मी बढ़ी हुई है। राज्य में चुनावी बिगुल बज चुका है और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपनी पारंपरिक सीटों, नंदीग्राम और भवानीपुर से ताल ठोंक दी है। इस बार का बंगाल चुनाव सड़क की लड़ाई से ज्यादा कागजों और लिस्ट्स की लड़ाई बनता जा रहा है। 8 अप्रैल की सुबह जब ममता बनर्जी अपने घर से नामांकन के लिए निकलीं, तो उनके समर्थकों का उत्साह तो देखते ही बनता था,

लेकिन मुख्यमंत्री के बयानों ने राज्य की सियासत में एक नई बहस छेड़ दी है। उन्होंने सीधे तौर पर निर्वाचन आयोग की नई वोटर लिस्ट पर सवाल उठाए हैं। मुख्यमंत्री का दावा है कि राज्य की नई वोटर लिस्ट से करीब 90.8 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं।

जयराम रमेश ने केंद्र पर लगाए गंभीर आरोप

जातिगत जनगणना को ठंडे बस्ते में डालना चाहती है सरकार-रमेश

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस ने रविवार को केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कई गंभीर आरोप लगाए। पार्टी का कहना है कि सरकार जाति जनगणना को जानबूझकर टालना चाहती है और महिलाओं के आरक्षण कानून में बदलाव करके देश को गुमराह कर रही है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कि सरकार का इरादा जाति जनगणना को 'ठंडे बस्ते' में डालने का है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री इस मुद्दे पर भारी भ्रम फैला रहे हैं। जयराम रमेश के मुताबिक, सरकार अनुच्छेद 334> में संशोधन करना चाहती है। इस आर्टिकल में यह प्रावधान है कि महिलाओं को संसद और विधानसभा में आरक्षण जनगणना और परिसीमन के बाद ही लागू होगा।कांग्रेस का कहना है कि सरकार अब यह कह रही है कि जाति जनगणना के नतीजे आने में कई साल लगेंगे, जबकि बिहार और तेलंगाना जैसे राज्यों ने 6 महीने के अंदर ही जाति सर्वे पूरा कर लिया था। इस दौरान कांग्रेस नेता ने सरकार के पुराने बयानों का भी हवाला दिया। उन्होंने कहा कि 2021 में संसद में सरकार ने कहा था कि वह एस/एस के अलावा अन्य जातियों की गणना नहीं करेगी। उसी साल सुप्रीम कोर्ट में भी सरकार ने हलफनामा देकर यही बात दोहराई। रमेश ने आगे कहा कि 2024 में एक इंटरव्यू में प्रधानमंत्री ने जाति जनगणना की मांग करने वालों की आलोचना की, लेकिन बाद में 2025 में सरकार ने अचानक घोषणा कर दी कि अगली जनगणना में जाति जनगणना भी होगी।

10 घंटे तक डिजिटल अरेस्ट रहे माता-पिता, 8वीं के बेटे ने एक झटके में फेल कर दिया साइबर ठगों का प्लान

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले से डिजिटल अरेस्ट के नाम पर होने वाली साइबर ठगी का एक बेहद खौफनाक और हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां शातिर साइबर जालसाजों ने बड़ी चालाकी से एक व्यापारी दंपति को अपनी बातों के जाल में फंसा लिया और उन्हें आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने का डर दिखाकर करीब 10 घंटे तक 'डिजिटल अरेस्ट' रखा। आरोपी ठग अपने नापाक मंसूबों में लगभग कामयाब हो ही गए थे और दंपति की जीवन भर की कमाई लुटने ही वाली थी।

वार्ता विफल होने पर भड़के ट्रंप,नाकेबंदी का किया एलान

टोल देकर होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों को रोकेंगे-ट्रंप

वॉशिंगटन/ एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। पाकिस्तान में हुई नाकाम शांति वार्ता के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बेहद सख्त और तीखा बयान जारी किया है, जिसने वैश्विक राजनीति में हलचल मचा दी है। ट्रंप ने आरोप लगाया कि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने का वादा किया था, लेकिन जानबूझकर उसे तोड़ा, जिससे दुनिया भर में आर्थिक अस्थिरता, डर और संकट की स्थिति पैदा हो गई है। उनके मुताबिक, यह कदम

अंतरराष्ट्रीय व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के लिए गंभीर खतरा बन चुका है और ईरान की गैर-जिम्मेदार हरकतों ने वैश्विक व्यवस्था को चुनौती दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी आरोप लगाया कि ईरान ने समुद्र में बारूदी माइन्स बिछाई हैं, जिससे जहाजों की आवाजाही खतरे में पड़ गई है। ट्रंप ने आरोप लगाया कि ईरान की इन हरकतों से उसकी अंतरराष्ट्रीय छवि खराब हुई है और वह अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन कर रहा है। उन्होंने ईरान को चेतावनी भरे अंदाज में तुरंत इस जलमार्ग को खोलने की मांग की और कहा कि इसे तेजी से लागू किया जाना चाहिए। एक दूसरे पोस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा है कि ईरान के साथ हुई बैठक में ज्यादातर मुद्दों पर सहमति बन गई, लेकिन सबसे अहम मुद्दा परमाणु कार्यक्रम पर कोई समझौता नहीं हो सका।

महिला आरक्षण बिल पास होना तय! बीजेपी ने जारी व्हिप

16 से 18 अप्रैल तक कोई भी नहीं हो सकता संसद में एब्सेंट

नई दिल्ली/ एजेंसी

संसद का बजट सत्र 2 अप्रैल को समाप्त होना था लेकिन अंतिम दिन कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित नहीं की गई। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने संसदीय कार्य मंत्री के अनुरोध का हवाला देते हुए सदन की कार्यवाही 16 अप्रैल तक के लिए स्थगित करने की घोषणा कर दी थी। अब जैसे-जैसे यह तारीख नजदीक आ रही है राजनीतिक हलचल तेज हो गई है और सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष तक अपनी-अपनी रणनीतियों में जुट गया है। अब आने वाले दिनों में संसद का सत्र काफी हंगामेदार रहने की संभावना है, जहां महिला आरक्षण और परिसीमन जैसे मुद्दों पर सत्ता और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिल सकती है। सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की अगुवाई कर रही भारतीय जनता पार्टी ने अपने सभी सांसदों को तीन लाइन का व्हिप जारी किया है। पार्टी ने लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों को 16, 17 और 18 अप्रैल को हर हाल में सदन में उपस्थित रहने का निर्देश दिया है। व्हिप में साफतौर पर कहा गया है कि इन तीनों दिनों के दौरान किसी भी सांसद को छुट्टी नहीं दी जाएगी और सभी को अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करनी होगी। यह सख्ती इस बात का संकेत है कि सरकार इन दिनों में कोई अहम विधेयक पेश करने या पारित कराने की तैयारी में है। जानकारी के अनुसार, केंद्र सरकार महिला आरक्षण बिल में संशोधन से जुड़ा प्रस्ताव ला सकती है। यह प्रस्ताव लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण देने से संबंधित

होगा। इसके साथ ही एक संविधान संशोधन बिल भी लाया जा सकता है, जिसे पारित कराने के लिए दो-तिहाई बहुमत जरूरी होता है। ऐसे में बीजेपी ने पहले से ही अपने सांसदों की मौजूदगी सुनिश्चित करने की रणनीति बनाई है, ताकि विधेयक पारित कराने में किसी तरह की बाधा न आए। यह कदम सरकार की गंभीरता और राजनीतिक तैयारी को दर्शाता है। वहीं विपक्षी दल इस मुद्दे पर सरकार को घेरने की तैयारी में हैं। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर महिला आरक्षण विधेयक और परिसीमन से जुड़े मुद्दों पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है। खड़गे ने आरोप लगाया कि विपक्ष को विश्वास में लिए बिना निर्णय लिए जा रहे हैं। वहीं डेरेक ओ'ब्रायन ने सरकार पर संसद को गंभीरता से न लेने और इसे राजनीतिक मंच बनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, कोई भी समाज तभी आगे बढ़ता है, जब वहां महिलाओं को आगे बढ़ने, निर्णय लेने और नेतृत्व करने का अवसर मिलता है। देश ने विकसित भारत का जो संकल्प लिया है, उसकी सिद्धि के लिए आवश्यक है कि इस यात्रा में नारी शक्ति अपनी पूरी क्षमता और पूरी भागीदारी के साथ जुड़े। हम सभी साक्षी हैं कि सार्वजनिक जीवन में हमारी बहनों-बेटियों की भागीदारी निरंतर बढ़ रही है। भारत की बेटियां स्पेस से लेकर स्पोर्ट्स और सशस्त्र बलों से लेकर स्टार्ट-अप्स तक, हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं।

सभी दलों के नेताओं ने इस विचार का समर्थन किया

प्रधानमंत्री ने कहा कि नारी शक्ति हमारी आबादी के करीब आधे हिस्से का प्रतिनिधित्व करती है। इस कदम के द्वारा राजनीति में उनकी ज्यादा से ज्यादा भागीदारी पर हम सबने अपनी सहमति जताई थी। मैं उस दिन को भारत की संसदीय यात्रा में एक महत्वपूर्ण और प्रेरक अवसर के रूप में देखता हूं। उन्होंने आगे कहा,नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर चर्चा में संसद के सभी सदस्यों का योगदान रहा था। और जब ये चर्चा चल रही थी, तब उस समय इसे लागू करने के समय पर भी विचार हुआ था। तब सबने सहमति से ये विचार रखा था कि नए कानून के प्रावधान जल्द से जल्द लागू हो जाने चाहिए। सभी दलों के नेताओं ने मुखर होकर इस विचार का समर्थन किया था। पिछले कुछ समय में हमने इस विषय पर जानकारों से विमर्श किया। संविधान की बारीकियों को समझाने वाले विशेषज्ञों से हमें सुझाव और मार्गदर्शन मिले।

अधिकारी का कारनामा : निजी वाहन चालक को शासकीय वेतन

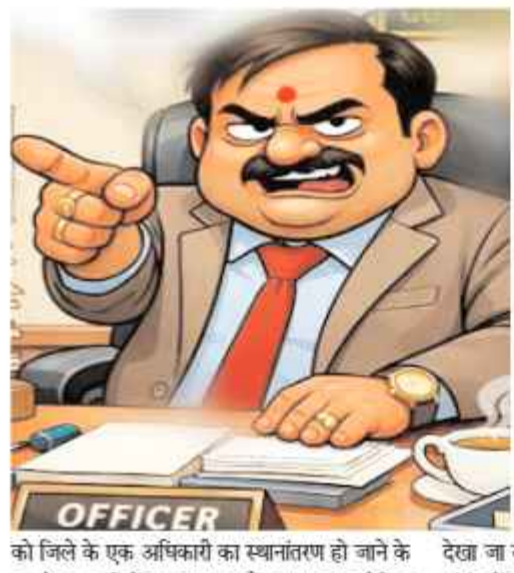

धमतरी। प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री द्वारा समस्त अधिकारियों को समय समय पर निर्देशित किया गया है कि वे आमजनों से मृदुभाषी व्यवहार करते हुए उनकी समस्याओं का निराकरण करे। शासन द्वारा जिले में पदस्थ अधिकारियों के लिये पद के अनुरूप उन्हें वेतन एवं वाहन इत्यादि की सुविधा मुहैया कराई जाती है। लेकिन एक अधिकारी ऐसा है जिसे शासकीय वाहन रखने की पात्रता नहीं है। लेकिन अपने आप को बड़ा अधिकारी साबित करने के चक्कर में अपने निजी वाहन चलवाकर शासकीय कोष से चालक को वेतन दिया जा रहा है। जिला पंचायत धमतरी में पदस्थ एक अधिकारी न ही उनके आदेशों का पालन कर रहा है और न ही वह उसके पास जाने वाले आगंतुकों से सीधा व्यवहार कर रहा है। आरोप तो यह भी है कि वह सूचना के अधिकार के तहत लगने वाले आवेदनों पर एक तो जानकारी समय पर नहीं देता अपितु टालमटोल कर जानकारी दी भी जाती है तो वह भ्रामक होती है। इस किस्म के रवैये से आम लोगों में खासी नाराजगी देखी जा रही है। खबर के मुताबिक उक्त व्यक्ति ने चपरासी के नाम पर एक कर्मी को कलेक्टर दर पर रखा है। लेकिन यह कर्मी उक्त पदस्थ अधिकारी के निजी वाहन को चलाता है लेकिन उसे वेतन शासकीय खजाने से दी जाती है। सूत्रों का कहना है कि दिखाने के लिये वह उसे चपरासी पद पर रखना बताया जाता है परंतु वह उक्त कार्य को न कर अधिकारी के निजी वाहन जिसमें परिवार को लाना, ले जाना जैसे कार्य ही करवाये जाते हैं। उक्त अधिकारी को जिले के एक अधिकारी का स्थानांतरण हो जाने के चलते कुछ दिनों का प्रभार सौंपा गया था। लेकिन इनके प्रभार में रहते हुए भी मीडिया कर्मियों को मीटिंग से बाहर निकलने का फरमान जारी कर दिया गया था जिसका भी जमकर विरोध हुआ था। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा शासन के निर्धारित समय के अनुसार कार्यालय पहुंच जाते हैं और जिले के दूरदराज क्षेत्रों से आने वाले समस्याग्रस्त व्यक्तियों की समस्याओं को सुनकर संबंधित विभाग के अधिकारी को तलब कर उनकी समस्याओं का निराकरण करते आ रहे हैं जिसके कारण जिले में समस्याओं का निपटारा द्रुतगति से हो रहा है। इनकी देखादेखी अनेक अधिकारी अपने समय पर कार्यालय पहुंचकर आगंतुकों के समस्याओं, शिकायतों को शीघ्र निराकरण करते आ रहे हैं। जिले में यह एक मिसाल बनकर सामने आया है। लेकिन जिला पंचायत में एक अधिकारी जो समय पर कार्यालय नहीं पहुंचते और जब वह कार्यालय पहुंचते हैं तो उनका ठाटबाट किसी आईएएस अधिकारी से कम नहीं रहता। उनके द्वारा अपने अधिनस्थों के साथ सीधा व्यवहार न होने के साथ साथ दूरदराज से आने वाले समस्याग्रस्त व्यक्तियों से भी अभद्रतापूर्वक व्यवहार किया जा रहा है जिससे सरकार की छवि धूमिल हो रही है और यहां मुख्यमंत्री के निर्देश का घोर उल्लंघन होते देखा जा रहा है। अनेक ग्रामीणों ने उक्त अधिकारी के संबंध में अनेक जानकारी दी जिसमें यह भी पता चला है कि यह अधिकारी जबसे धमतरी में पदस्थ हुए हैं तबसे उनके द्वारा अपनी मनमानी की जा रही है। यहां तक एक व्यक्ति जो चपरासी के नाम पर कलेक्टर दर पर रखा गया है, उसे अपना निजी वाहन चालक बनाकर रखा गया है। बताया जाता है कि उक्त अधिकारी जहां भी पदस्थ रहे, उनका व्यवहार सहीं नहीं रहने के कारण अनेक शिकायतें पूर्व में पदस्थ स्थानों पर भी अनेक लोगों ने की थी। जबसे यह जिला पंचायत धमतरी में पदस्थ हुए हैं, वही प्रक्रिया यहां भी उन्होंने अपना रखी है जिसके कारण जिले से आने वाले लोगों में काफी नाराजगी देखी जा रही है। इनका कहना है कि जब भी हम उक्त अधिकारी के पास अपनी समस्या को लेकर जाते हैं तो वे सीधा व्यवहार नहीं करते। घुमावदार बात कर हमें अपने कार्यालय से चले जाने की बात कहते हैं। इस नादिरशाह किस्म के अधिकारी के रवैये की चर्चा समूचे जिले में चर्चित है। इनके पास एक व्यक्ति द्वारा सूचना का अधिकार लगाया गया तो उसकी जानकारी देने में आनाकानी की गई। जब वह व्यक्ति लगातार जानकारी लेने उक्त कार्यालय पहुंचा, तब उसे अधूरी जानकारी देकर टरका दिया गया। ऐसे अधिकारी शासन के लिये सिरदर्द बने हुए हैं जिनके व्यवहार को देखते हुए उनके स्थानांतरण की मांग बलवती हो रही है। साथ ही उन्होंने जो कलेक्टर दर पर चपरासी की नियुक्ति की गई है, उससे विभागीय कार्य न लेकर उससे निजी कार्य करवाया जाता है जिससे शासन का काम कम और उक्त अधिकारी का काम ज्यादा होता है। पूर्व में भी उक्त अधिकारी के खिलाफ लाखों रूपये गबन की शिकायत शासन तक पहुंची थी जिसकी जांच कहां तक पहुंची, इसकी जानकारी नहीं लग पाई है। जागरूक ग्रामीणों ने उक्त अधिकारी के स्थानांतरण को लेकर पंचायत मंत्री से भी शिकायत करने की योजना बनाई है और इन्होंने मांग की है कि ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं को नहीं सुनने वाले इस अधिकारी का वहां से स्थानांतरण करवाया जाये ताकि प्रदेश के मुख्यमंत्री के निर्देश का पालन वहां पदस्थ अधिकारी कर सकें।

जिले में भीषण गर्मी को ध्यान में रखकर निस्तारी के लिए जल आपूर्ति जारी

गरियाबंद। जिले में भीषण गर्मी को देखते हुए क्षेत्र के ग्रामीणों को निस्तारी के लिए 27 फरवरी 2026 से जल संसाधन विभाग द्वारा पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। राजिम के संगम को सिकासार जलाशय से पैरी नदी के माध्यम से भरा गया है। फिगेश्वर नगर पंचायत को सरगी नाला एनीकट द्वारा पानी उपलब्ध कराया गया है। फिगेश्वर वितरक शाखा नहर द्वारा पांडुका अनुभाग द्वारा 15 तालाबों को भरा गया है। फिगेश्वर उप संभाग के 14 तालाब भरे गए है। 8 अप्रैल से फिगेश्वर वितरक शाखा का जल प्रवाह बंद कर पैरी दायी तट नहर के माध्यम से राजिम, सुरसाबांधा, श्याम नगर को निस्तारी हेतु पानी दिया जा रहा है। जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता एस.के.बर्मन के मार्गदर्शन में पांडुका, फिगेश्वर, राजिम के अनुविभागीय अधिकारियों के साथ उनकी मैदानी टीम आवश्यकता व मांग अनुसार निस्तारी हेतु ग्रामीणों को पानी उपलब्ध करा रही है। सिकासार जलाशय में पानी की उपलब्धता को देखते हुए जल प्रदाय 15 अप्रैल को पूर्ण रूप से बंद कर दिया जायेगा। जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता ने क्षेत्र के ग्रामीणों से अपील की है कि वे पानी का सही उपयोग करें, व्यर्थ बर्बाद ना करें, नहरों में बेवजह अवरोध उत्पन्न न करें, किसी प्रकार की समस्या के लिए विभागीय कर्मचारी से संपर्क करें।

गांव-बस्ती चलो अभियान-जनविश्वास की गूंज छाती-झिरिया में महापौर का सशक्त जनसंपर्क

धमतरी। भारतीय जनता पार्टी के जनआधारित अभियान गांव-बस्ती चलो के तहत नगर पालिक निगम धमतरी के महापौर रामू रोहरा ने ग्राम छाती एवं झिरिया में व्यापक और प्रभावी जनसंपर्क कर संगठन की जड़ों को और मजबूत करने का कार्य किया। भाजपा मंडल छाती के अंतर्गत ग्राम झिरिया के विभिन्न बूथों में पहुंचकर महापौर रोहरा ने ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित किया। उन्होंने आमजन की समस्याएं सुनीं, सुझाव लिए और केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभाव को जमीन स्तर पर परखा। इस दौरान उनके साथ मंडल अध्यक्ष भोथली मिश्री पटेल, अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष पालनहार दिली, विजय चंद्राकर, कुंवरलाल साहू, खिलेश चंद्राकर, बलवंत यादु, बबलू चंद्राकर, राजकुमारी चंद्राकर, सुरेंद्र सतनामी, प्रकाश लहरे, टेकुन दास मारकंडे, साहिल लहरे एवं साहिल मारकंडे सहित संगठन के सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना एवं उज्ज्वला गैस योजना के हितग्राहियों से मुलाकात कर उनके अनुभव साझा किए गए। साथ ही मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की महतारी वंदन योजना के लाभार्थियों से संवाद कर योजनाओं के सकारात्मक प्रभाव को समझा गया। महापौर ने जनसंघ के नेता से सौजन्य भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया, जो संगठन की वैचारिक विरासत और मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। महापौर रामू रोहरा ने कहा भारतीय जनता पार्टी की सरकारें सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मूल मंत्र पर कार्य करते हुए अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा लक्ष्य है कि कोई भी पात्र हितग्राही सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे। इस अभियान के माध्यम से जनप्रतिनिधियों ने यह स्पष्ट कर दिया कि भाजपा केवल सत्ता का नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और जनसरोकार का नाम है। गांव-गांव तक पहुंचकर जनजागरूकता बढ़ाना और योजनाओं की शत-प्रतिशत पहुंच सुनिश्चित करना ही इस अभियान का मूल उद्देश्य है।

भीषण गर्मी में हर घर तक पानी पहुंचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : अध्यक्ष अश्वनी शर्मा

भाटापारा। भीषण गर्मी के मद्देनजर नगर पालिका परिषद भाटापारा के अध्यक्ष अश्वनी शर्मा द्वारा नगर के सभी 31 वार्डों में पेयजल आपूर्ति को सुचारू एवं व्यवस्थित बनाए रखने हेतु एक महत्वपूर्ण सर्वदलीय समीक्षा बैठक आहूत की गई। बैठक में सभी वार्डों के पार्षदों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और अपने-अपने क्षेत्रों की पेयजल स्थिति, संभावित समस्याओं एवं समाधान के सुझावों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक के दौरान अध्यक्ष शर्मा ने स्पष्ट कहा कि गर्मी के इस कठिन समय में नागरिकों को पानी के लिए परेशान होना पड़े, यह बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हर वार्ड में पर्याप्त और नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बैठक के प्रमुख बिंदु

सभी 31 वार्डों की पेयजल व्यवस्था की गहन समीक्षा करते हुए पार्षदों से जमीनी स्थिति की जानकारी ली गई। सुझाव एवं समन्वय: सर्वदलीय पार्षदों द्वारा दिए गए सुझावों एवं समस्याओं के आधार पर त्वरित और प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। जल टैंकरों के माध्यम से वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने एवं पाइपलाइन मरम्मत हेतु विशेष टीमों को अलर्ट मोड पर रखा गया। त्वरित शिकायत निवारण: नागरिकों की शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान ही परशुराम वार्ड की महिलाओं द्वारा पेयजल समस्या की शिकायत सामने आई। मामले की गंभीरता को देखते हुए अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने तत्काल संज्ञान लेते हुए बैठक समाप्त होते ही सीधे वार्ड के प्रभावित स्थल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि तकनीकी कारणों से जलापूर्ति बाधित हो रही थी। अध्यक्ष शर्मा ने मौके पर उपस्थित जल विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तत्काल समस्या का निराकरण करने के निर्देश दिए और कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने की सख्त हिदायत दी। अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा- नगरवासियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। पेयजल जैसी आवश्यक सेवा में किसी भी प्रकार की बाधा को तुरंत दूर किया जाएगा। प्रशासन पूरी तरह सतर्क और मुस्तैद है। हर वार्ड की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है और किसी भी समस्या पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि- जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के समन्वय से ही हम इस चुनौतीपूर्ण समय का प्रभावी ढंग से सामना कर सकते हैं। सभी पार्षद अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाएं और किसी भी समस्या की जानकारी तुरंत दें, ताकि समय पर समाधान किया जा सके।

स्वास्थ्य सुविधाओं को मिलेगा विस्तार : महापौर रामू रोहरा

ईतवारी बाजार में नवीन शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का भूमिपूजन

धमतरी। शहर के ईतवारी बाजार क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कोतवाली थाना के समीप नवीन शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का विधिवत भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिक निगम धमतरी के महापौर रामू रोहरा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष ने की। साथ ही जिला पंचायत सभापति मोनिका देवांगन, पार्षद चन्द्रभागा साहू, नम्रतामाला पवार, एमआईसी सदस्य नरेंद्र रोहरा, श्याम लाल नेताम, युगल पिंटू यादव, विभा चंद्राकर, पार्षद मेघराज ठाकुर, तह्मीनपुरी गोस्वामी, राकेश चंदवानी, अनिता अग्रवाल, ईश्वर सोनकर, अज्जू देशलहरे, गजेंद्र कंवर, मुकेश शर्मा, महेंद्र खंडेलवाल, भूपेंद्र मिश्रा की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम में महापौर रामू रोहरा ने अपने विस्तृत उद्बोधन में कहा कि शहर के तेजी से बढ़ते विस्तार और जनसंख्या को देखते हुए बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि यह नया शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आम नागरिकों को सुलभ, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं प्रदान करेगा। विशेष रूप से गरीब एवं जरूरतमंद वर्ग को इसका सीधा लाभ मिलेगा। महापौर रोहरा ने आगे कहा कि प्रदेश सरकार और नगर निगम मिलकर स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रहे हैं। यह भवन केवल एक संरचना नहीं, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य सुरक्षा का मजबूत आधार बनेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य समय.सीमा में और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए ताकि जल्द से जल्द जनता को इसका लाभ मिल सके। कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, जिला धमतरी द्वारा सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर डॉ यू एल कौशिक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ रेहाना कदीर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, डॉ आदित्य सिन्हा डीएचओ, डॉ प्रिया कंवर जिला कार्यक्रम प्रबंधक, नामिका बिश्वास शहरी कार्यक्रम प्रबंधक, मिथलेश एमएससी इंजीनियर, मनोज वाघवानी सुपरवाईजर, युवराज देवांगन लेखापाल, सतीष यादव फार्मेसिस्ट चिरायु, रूपम चन्द्रकार, शैलेश देवांगन कनिष्ठ सचिविय सहायक, संगीता साहू मितानिन समन्वयक सहित स्टाफ उपस्थित थे।

असम प्रदेश में अबकी बार कांग्रेस की सरकार : सुशील शर्मा

भाटापारा। अखिल भारतीय कॉंग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं असम प्रदेश के प्रभारी जितेंद्र सिंह भंवर ने भाटापारा कृषि ऊपज मंडी के पूर्व अध्यक्ष सुशील शर्मा को असम प्रदेश के दरंग जिला में राष्ट्रीय समन्वयक नियुक्त किया था,अपनी नियुक्ति के पश्चात सुशील शर्मा 8 फरवरी से लेकर 28 अप्रैल तक तथा 19 मार्च से लेकर 8 अप्रैल तक लगभग 39 दिवसीय असम प्रदेश के दरंग जिला मंगलदाई में रहकर कॉंग्रेस प्रत्याशी रिजुमोनी तालुकदार का जोरशोर से सघन चुनाव प्रचार किया है। सुशील शर्मा ने वापस आने पर बताया कि इस बार असम प्रदेश में कॉंग्रेस पार्टी गौरव गोगाई के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है पूरे प्रदेश में कॉंग्रेस के पक्ष में जोरदार लहर चल रही है जनता जनार्दन प्रदेश में परिवर्तन करने को आतुर दिखाई दे रहे है,भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा शर्मा अपनी तानाशाही नीतियों के कारण जनता का विश्वास पूरी तरह खो चुके है। सुशील शर्मा ने अपनी सजग और जुझारू कार्यशैली के अनुरूप ईमानदारी और सक्रियता पूर्वक कार्य कर वापस गृह निवास भाटापारा आ चुके है।

मुख्यमंत्री के नाम अपर कलेक्टर के माध्यम से हिन्दू जागरण मंच ने आभार पत्र सौंपा

धमतरी। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य में धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम को पारित कर समाज में धर्म की स्वतंत्रता एवं सामाजिक समरसता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। यह अधिनियम न केवल प्रत्येक नागरिक को अपने धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता प्रदान करता है, बल्कि जबरन, प्रलोभन अथवा छलपूर्वक किए जाने वाले धर्मांतरण पर प्रभावी रोक लगाने का कार्य भी करेगा। इससे समाज में शांति, सदभाव एवं विश्वास का वातावरण मजबूत होगा। हिन्दू जागरण मंच का मानना है कि यह निर्णय छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान एवं मूल्यों की रक्षा के साथ.साथ आम नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। हिन्दू जागरण मंच जिला धमतरी ने अपर कलेक्टर इंदिरा सिंह के माध्यम से छत्तीसगढ़ शासन एवं मुख्यमंत्री का धार्मिक स्वातंत्र्य अधिनियम पारित करने पर आभार प्रकट करते हुए आशा किया है कि इस अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। हिन्दू जागरण मंच प्रदेश के समस्त नागरिकों से अपील करता है कि वे इस अधिनियम का सम्मान करें एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें। आभार प्रकट करने वालों में प्रांत कार्यकारिणी सदस्य युवा आयाम दीपक सिंह ठाकुर, जिला संयोजक पुरूषोतम निषाद, सहसंयोजक चित्रेश साहू, युवा आयाम सत्यम सिन्हा, संपर्क प्रमुख अनिमेष चंदेल, महिला आयाम भावना सिन्हा, दिव्या नेताम, पूजा साहू, हंसिका, आर्थिक आयाम भीखम साहू, नगर संयोजक अभिषेक साहू, सहसंयोजक शिवांश पटवा, नगर युवा आयाम आयुष पात्रे, संजय साहू, सनत साहू उपस्थित थे।

भाटापारा रेलवे स्टेशन के विकास हेतु अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने डीआरएम को सौंपा ज्ञापन

भाटापारा। नगर पालिका परिषद भाटापारा के अध्यक्ष अश्वनी शर्मा द्वारा आज भाटापारा रेलवे स्टेशन से संबंधित विभिन्न ज्वलंत समस्याओं एवं आवश्यक सुविधाओं के विस्तार हेतु डिवीजनल रेलवे मैनेजर, रायपुर डिवीजन को विस्तृत ज्ञापन सौंपा गया। भाटापारा नगर, छत्तीसगढ़ की प्रमुख नगर पालिकाओं में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। यह स्टेशन न केवल नगरवासियों बल्कि आसपास के सैकड़ों गांवों के नागरिकों के लिए आवागमन का प्रमुख केंद्र है। प्रतिदिन हजारों यात्रियों की आवाजाही के बावजूद यहां कई मूलभूत सुविधाओं का अभाव एवं अव्यवस्थाएं बनी हुई हैं, जिनके समाधान हेतु यह पहल की गई है।

ज्ञापन में विशेष रूप से निम्न प्रमुख मांगों को प्रमुखता से उठाया गया

लंबे समय से बंद पड़े पुराना हटरी बाजार अंडरब्रिज को शीघ्र पुनः प्रारंभ किया जाए, जिससे आवागमन सुगम हो सके। अमृत मिशन के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों में तेजी लाकर विकास कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए। रेलवे रेस्ट हाउस के समीप स्थित बड़े नाले के निर्माण एवं सौंदर्यीकरण में आ रही बाधाओं को दूर किया जाए। रेलवे स्टेशन के सामने की अव्यवस्थित यातायात एवं अवसंरचना व्यवस्थाओं को व्यवस्थित कर नागरिकों को राहत प्रदान की जाए।

इन समस्याओं के कारण आमजन को हो रही कठिनाइयों एवं दैनिक असुविधाओं से भी डीआरएम को अवगत कराया गया। साथ ही नगर के समग्र विकास एवं नागरिक सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई की अपेक्षा व्यक्त की गई। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा– भाटापारा नगर निरंतर विकास की दिशा में अग्रसर है। यहां की बढ़ती जनसंख्या एवं यात्रियों की संख्या को देखते हुए रेलवे सुविधाओं का सुदृढ़ एवं सुव्यवस्थित होना अत्यंत आवश्यक है। आम नागरिकों को हो रही समस्याओं का त्वरित समाधान हमारी प्राथमिकता है। हमें पूर्ण विश्वास है कि रेलवे विभाग जनहित के इन महत्वपूर्ण विषयों को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करेगा, जिससे नागरिकों को बेहतर, सुरक्षित एवं सुगम सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

अंत में, नगर पालिका परिषद भाटापारा द्वारा यह आशा व्यक्त की गई है कि संबंधित विभाग शीघ्र सकारात्मक पहल करते हुए इन मांगों पर ठोस कार्रवाई करेगा, जिससे नगरवासियों को राहत मिल सके और भाटापारा रेलवे स्टेशन को एक आदर्श एवं सुव्यवस्थित स्टेशन के रूप में विकसित किया जा सके। इस अवसर पर सभापति संतोश तलरेजा मनीष मिश्रा पार्षद नंदू वैष्णव बब्बू मंधान शुभम राजपूत पत्रकार राजेश शर्मा एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

हिन्दी पेपर लीक मामले में गरमाई सियासत, कांग्रेस नेता विकास उपाध्याय ने भाजपा नेताओं की संलिप्तता का लगाया आरोप

रायपुर। 12वीं हिंदी पर्चा लीक मामले में सियासत गरमाई हुई है. कांग्रेस नेता विकास उपाध्याय ने भाजपा नेताओं पर पर्चा लीक का आरोप लगाते है. उन्होंने कहा कि यूपी, मध्यप्रदेश समेत कई भाजपा शासित राज्यों में पेपर लीक पर भाजपा नेताओं की सांठ-गांठ है.विकास उपाध्याय ने मीडिया से चर्चा में कहा कि 12वीं बोर्ड हिंदी पर्चा लीक हुए एक माह हो चुके हैं. माध्यमिक शिक्षा मंडल ने एफआईआर करवाई है. कमिश्नरेट लागू है, इसके बावजूद एक भी आरोपी नही पकड़ा गया है. ऐसा इसलिए है क्योंकि पेपर लीक में भाजपा के नेताओं का हाथ है.वहीं स्वामी आत्मानंद स्कूल की फीस बढ़ाने के मामले में कांग्रेस के पूर्व विधायक ने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय स्कूलों में ड्रेस समेत सभी सुविधाएं मुहैया कराई जाती थीं, लेकिन भाजपा सरकार आने के बाद न शिक्षकों को भुगतान हो रहा है, न ही पर्याप्त बजट दिया जा रहा है. उन्होंने कहा कि अब नर्सरी और पीपी वन कक्षाएं भी बंद की जा रही हैं, और प्री एजुकेशन को खत्म किया जा रहा है, सरकार 150 विवेकानंद स्कूल खोलने की बात कर रही है, जबकि आत्मानंद स्कूल ही ठीक से संचालित नहीं हो पा रहे हैं. नई योजनाओं के जरिए केवल वाहवाही लूटने की कोशिश हो रही है. प्राइवेट अस्पतालों द्वारा आयुष्मान योजना से इलाज नहीं किए जाने पर विकास उपाध्याय ने कहा कि प्राइवेट अस्पताल इसे व्यवसाय बना रहे हैं, यदि समय पर भुगतान नहीं होगा तो अस्पताल कर्ज लेकर नहीं चल पाएंगे और इसका सीधा असर आम जनता पर पड़ेगा. वहीं सांसद संतोष पाण्डेय ने भगवान राम से पीएम गृहमंत्री और मुख्यमंत्री की तुलना पर कांग्रेस के पूर्व विधायक ने कहा कि यदि नक्सलवाद खत्म हो चुका है, तो जनप्रतिनिधियों को + सुरक्षा क्यों दी जा रही है. भाजपा नेता केवल प्रधानमंत्री की चाटुकारिता कर रहे हैं, और वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटका रहे हैं.

लेंन-देन के विवाद पर चला चाकू, एक युवक गंभीर घायल

रायपुर। राजधानी में स्कूटी गिरवी रखने के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जहां एक युवक पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया गया। गंभीर रूप से घायल युवक की हालत नाजुक बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांधीनगर-शंकरनगर निवासी 26 वर्षीय छवि महानंद अपने दोस्तों के साथ एक परिचित के पास स्कूटी गिरवी रखने गया था। इसी दौरान पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपियों ने छवि पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में युवक के सीने, पेट, हाथ और कलाई में गंभीर चोटें आई हैं। आसपास के लोगों की मदद से उसे तुरंत मोवा स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज जारी है और उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। प्रारंभिक जांच में मामला पैसों के लेन-देन से जुड़ा बताया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। वहीं, घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है, जिसे देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है और लगातार पेट्रोलिंग की जा रही है। इस घटना ने शहर में बढ़ती आपराधिक घटनाओं और पैसों के विवादों को लेकर चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय लोगों ने जल्द सख्त कार्रवाई की मांग की है।

नक्सलवाद खत्मा के बाद अब सुदूर गांवों में पहुंचा विकास का संदेश

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा स्थापना दिवस के अवसर पर बीजापुर जिले के भैरमगढ़ ब्लॉक अंतर्गत सुदूर एवं पूर्व नक्सल प्रभावित क्षेत्र ग्राम पंचायत टिंडोड़ी में गांव चलो ङ्क बस्ती चलो अभियान 2026 का शुभारंभ किया गया। इस अभियान में छत्तीसगढ़ भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जी. वेंकटेश्वर मुख्य रूप से उपस्थित रहे। अभियान के तहत ग्राम टिंडोड़ी, धुसावाड़ा, करेमरका सहित आसपास के गांवों में जन चौपाल आयोजित कर ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित किया गया। इस दौरान केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं — उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाई गई तथा उन्हें योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य अंत्योदय की भावना को साकार करते हुए दूरस्थ एवं वंचित वर्ग तक सीधी पहुंच बनाना, योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करना, साथ ही ग्रामीणों से फीडबैक प्राप्त कर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना है। इसके साथ ही बूथ सशक्तिकरण एवं नव मतदाताओं को जोड़ने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जी. वेंकटेश्वर ने कहा कि नक्सलवाद के प्रभाव में कमी आने के बाद अब सुदूर अंचलों में विकास कार्यों को गति मिली है। उन्होंने कहा कि भाजपा का यह अभियान केवल संगठन विस्तार तक सीमित नहीं है।

स्वस्थ नागरिक ही विकसित छत्तीसगढ़ की आधारशिला

स्वास्थ्य क्षेत्र में नवाचार को नई दिशा देगा वाइस चांसलर मीट

- आधुनिक चिकित्सा और पारंपरिक औषधीय ज्ञान के संगम से सशक्त होगा छत्तीसगढ़ का स्वास्थ्य मॉडल : मुख्यमंत्री
- मेडिसिटी हब और नए मेडिकल कॉलेज से बदलेगा प्रदेश का स्वास्थ्य परिदृश्य

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज नवा रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय में आयोजित ऑल इंडिया हेल्थ साइंसेज वाइस चांसलर मीट-2026 को संबोधित करते हुए इसे प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण अवसर बताया। उन्होंने भगवान श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर देशभर से आए कुलपतियों, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पहली बार आयोजित इस एकदिवसीय सम्मेलन के माध्यम से स्वास्थ्य शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र में नवाचारों का व्यापक आदान-प्रदान होगा, जो आने वाले समय में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस मंच से निकले विचार न केवल नीति निर्माण को दिशा देंगे, बल्कि आमजन तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में भी सहायक होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दो वर्षों में राज्य सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। प्रदेश में पांच नए मेडिकल कॉलेज, 14 नर्सिंग कॉलेज तथा एक होम्योपैथी कॉलेज का निर्माण कार्य प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही विकसित छत्तीसगढ़ की आधारशिला हैं और इसी दृष्टिकोण के साथ स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और गुणवत्ता सुधार पर निरंतर कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के प्रयासों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत गरीब परिवारों को 5 लाख रुपये तक की सहायता मिलना उनके लिए वरदान सिद्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि पहले गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए ग्रामीणों को कर्ज लेने या जमीन बेचने जैसी कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब यह स्थिति तेजी से बदल रही है और स्वास्थ्य सेवाओं में विश्वास बढ़ा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मधुमेह और कैंसर जैसी बीमारियां, जो पहले सीमित वर्ग तक मानी जाती थीं, अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी तेजी से फैल रही हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए केंद्र सरकार द्वारा आरोग्य मंदिर जैसी पहल की जा रही है, जिसका उद्देश्य लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा देश में तीन आयुर्वेदिक एम्स स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य का लगभग 44 प्रतिशत क्षेत्र वनाच्छादित है, जो औषधीय पौधों की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है।

आजीविका मिशन से रमशीला को मिला आत्म निर्भरता का संबल

- किराना दुकान से लगभग 25 हजार रुपये की कर रहीं हैं आय अर्जित

रायपुर। संवाददाता

एक समय माओवाद से प्रभावित रहा कोंडागांव जिले का दूरस्थ ग्राम कुधुर आज विकास और आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख रहा है। शासन की योजनाओं की पहुँच ने इस क्षेत्र की तस्वीर बदल दी है, और इसी परिवर्तन की मिसाल हैं ग्राम की निवासी श्रीमती रमशीला कश्यप। किराना दुकान संचालन से प्रति माह लगभग 25 हजार रुपये की आय अर्जित कर रहीं हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) से जुड़कर रमशीला कश्यप ने अपने जीवन को नई दिशा दी। वर्ष 2018 में उन्होंने 'जय मां दंतेश्वरी' स्व-सहायता समूह की सदस्य बनकर आत्मनिर्भर बनने की शुरुआत की। उस समय गांव में केवल एक किराना दुकान था, जिसके कारण ग्रामीणों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए लगभग 20 किलोमीटर दूर मर्दापाल जाना पड़ता था। ग्रामीणों की इस समस्या को समझते हुए रमशीला कश्यप ने गांव में ही किराना दुकान खोलने का साहसिक निर्णय लिया। स्व-सहायता समूह से प्राप्त 50 हजार रुपये की सहायता से उन्होंने अपनी दुकान की शुरुआत की। समय के साथ उन्होंने दुकान में जरूरत के अनुसार सामग्री बढ़ाई और अपने व्यवसाय को मजबूत किया। आज रमशीला की यह छोटी-सी पहल पूरे गांव के लिए बड़ी सुविधा बन चुकी है। जहां एक ओर ग्रामीणों को आवश्यक वस्तुएं गांव में ही उपलब्ध हो रही हैं, वहीं दूसरी ओर रमशीला कश्यप के परिवार की आर्थिक स्थिति में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वर्तमान में वे प्रति माह लगभग 20 से 25 हजार रुपये की आय अर्जित कर रही हैं। पहले केवल खेती पर निर्भर रहने वाला उनका परिवार अब अतिरिक्त आय के स्रोत से सशक्त हो गया है।

उत्तर प्रदेश पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश की फर्म खरीदेंगी तेंदूपत्ता.....

- टेंडर की प्रक्रिया पूरी, हर साल करोड़ों रुपये का व्यवसाय
- मई से तेंदूपत्ता तोड़ाई का कार्य होगा शुरू

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ के तेंदूपत्ता की मांग उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल व आंध्रप्रदेश में भी है। यहां की फर्म धमतरी के तेंदूपत्ता की खरीदी करेंगी। यहां 26 हजार 800 मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहण का लक्ष्य है। संग्रहण के बाद इन राज्यों की फर्म तेंदूपत्ता खरीदकर ले जाएंगी। इसके लिए शासन से टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। धमतरी के जबर्रा, मारागांव, सिंगपुर, बरबांधा, डोकाल और चनागांव के तेंदूपत्ता को उच्चक्वॉलिटी का माना जाता है। यहां से हर साल करोड़ों रुपये के तेंदूपत्ता का व्यवसाय होता है। वन विभाग के अनुसार बूटा कटाई का कार्य कर लिया गया है। एक मई से जिले में तेंदूपत्ता तोड़ाई का कार्य शुरू हो जाएगा। इसके लिए रूप-रेखा बना ली गई है। वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार इस साल जिले में 26,800 मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहण का लक्ष्य रखा गया है। 27 समितियों के 27 हजार 872 संग्राहक इसे संग्रहित करेंगे। इसके बाद संग्रहित तेंदूपत्ता को छत्तीसगढ़ के अलावा उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और आंध्रप्रदेश की फर्म खरीदी करेंगी। इसके लिए बकायदा टेंडर पास भी हो चुका है और फर्मों ने 10 प्रतिशत राशि शासन के मद में जमा भी करा दी है। पिछले साल छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ को 20 करोड़ तीन लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इसमें से 13 करोड़ की राशि संग्राहकों को वितरित किया गया था।

अवैध रूप से भंडारित 20 गैस सिलेण्डर जब्त फरसवानी और बीरतराई में खाद्य विभाग की कार्रवाई

सभी अधिकारी कर्मचारी अपने मोबाईल से ऑन-बोर्ड होंगे

आई-गॉट में सभी विभागों को ऑन-बोर्ड होना जरूरी

- आई-गॉट साधना सप्ताह के अंतर्गत छत्तीसगढ़ मिशन कर्मयोगी कार्यशाला हुई आयोजित

रायपुर/ संवाददाता

मुख्य सचिव विकासशील ने राज्य शासन के सभी विभाग के प्रमुख अधिकारियों से कहा है कि वे मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत आई-गॉट ट्रेनिंग कार्यक्रम से अपने विभाग को अनिवार्य रूप से ऑन-बोर्ड कर लें। उन्होंने कहा कि सभी विभाग ऑन-बोर्ड हो जाये मुख्य सचिव ने सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को भी अपने मोबाईल से ऑन-बोर्ड होने को कहा है। राज्य शासन के सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को उनकी आवश्यकता अनुसार विभागीय स्किल डेवलपमेंट के लिए प्रशिक्षित किया जा सकेगा। मुख्य सचिव ने सभी विभाग प्रमुखों से कहा है कि वे अपने-अपने विभाग की आवश्यकता अनुसार अधिकारी-कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कोर्स तय कर लें, जिससे उन्हे प्रशिक्षित किया जा सके। आज आई-गॉट प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत साधना सप्ताह के मौके पर सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी को कर्मयोगी मिशन के तहत प्रशिक्षण हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया।

ग्राम हेटारकसा जहां बन्दूकें थीं, अब बहता है पानी- हेटारकसा की बदली तस्वीर

रायपुर। कभी नक्सल गतिविधियों के कारण विकास से अछूता रहा कोयलीबेड़ा विकासखंड के ग्राम हेटारकसा आज बदलाव की नई कहानी लिख रहा है। जहां पहले सड़क, संचार और मूलभूत सुविधाओं तक पहुंच मुश्किल थी, वहीं अब शासन के नक्सल उन्मूलन अभियान और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से गांव में विकास दिखने लगा है। नक्सल प्रभाव के कारण वर्षों तक इस क्षेत्र में योजनाओं का क्रियान्वयन चुनौतीपूर्ण रहा। दुर्गम भौगोलिक स्थिति और सुरक्षा कारणों से पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा भी गांव तक नहीं पहुंच पा रही थी। ग्रामीण, कुएं और नालों पर निर्भर थे, और गर्मी के दिनों में पानी के लिए काफी संघर्ष करना पड़ता था। लेकिन अब स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। केंद्र सरकार की जल जीवन मिशन और राज्य शासन के प्रयासों से ग्राम हेटारकसा के 63 घरों तक नल कनेक्शन पहुंचाए गए हैं। दो सोलर पंप आधारित जल टंकियों के माध्यम से अब गांव के हर घर में नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। गांव के निवासी राजनाथ पोटाई बताते हैं कि पहले पानी लाने के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ता था।

कृषक उन्नति योजना से किसानों को मिल रही मदद

- किसानों को 314 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों की आय में वृद्धि एवं कृषि क्षेत्र में स्थायित्व लाने के उद्देश्य से फसल विविधीकरण को लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी कड़ी में कृषक उन्नति योजना अंतर्गत वर्ष 2025-26 में राज्य के 25.28 लाख किसानों को 12 हजार करोड़ रूपए की आदान सहायता के रूप में प्रदाय किए गए। कृषि मंत्री रामविचार नेताम का कहना है कि कम करते हुए किसानों को दलहनी, तिलहनी एवं मोटे अनाज सहित अन्य लाभकारी फसलों की ओर प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषक उन्नति योजना के प्रावधान के तहत उन किसानों को प्रोत्साहन दिया गया है, जिन्होंने धान के अतिरिक्त दलहनी-तिलहनी फसलें, कोदो-कुटकी, रागी, मक्का एवं कपास जैसी फसलों का उत्पादन किया है।कृषि मंत्री नेताम ने बताया कि कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत राज्य के 3 लाख 6 हजार 685 किसानों को 10 हजार रुपये प्रति एकड़ की दर से कुल 311 करोड़ 87 लाख 79 हजार रुपये की आदान सहायता राशि प्रदान की गई है। यह सहायता सीधे किसानों के बैंक खातों में अंतरित की गई है, जिससे उन्हें खेती की लागत में राहत मिली है।

पाठशाला' के रूप में विकसित करना समय की आवश्यकता

आंबा केवल पोषण नहीं, संस्कार निर्माण की पाठशाला बने

रायपुर/ संवाददाता

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों को केवल पोषण और पूर्व-प्राथमिक शिक्षा तक सीमित न रखते हुए उन्हें 'संस्कार निर्माण की पाठशाला' के रूप में विकसित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि 3 से 6 वर्ष की आयु बच्चों के सर्वांगीण विकास की सबसे महत्वपूर्ण अवस्था होती है, जिसमें दिए गए संस्कार जीवनभर उनकी सोच और व्यवहार को दिशा देते हैं। मंत्री श्रीमती राजवाड़े अपने निवास कार्यालय में आयोजित बैठक में राज्य शैक्षणिक अनुसंधान केंद्र के ईसीसीई के राज्य स्तरीय रिसोर्स पर्सन एवं विभागीय अधिकारियों से चर्चा कर रही थीं। बैठक में प्रदेश के 52,518 आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों को संस्कारपरक शिक्षा से जोड़ने के लिए ठोस पहल करने पर विचार किया गया। उन्होंने कहा कि बच्चे का पहला विद्यालय उसका घर और आंगनबाड़ी होता है, इसलिए यहां दी जाने वाली शिक्षा में भारतीय जीवन मूल्यों का समावेश अत्यंत आवश्यक है। संस्कारपरक शिक्षा का उद्देश्य बच्चों में प्रारंभिक अवस्था से ही बड़ों का सम्मान, सत्य बोलना, स्वच्छता, अनुशासन, प्रकृति प्रेम तथा 'धन्यवाद' और 'क्षमा' जैसे व्यवहारिक गुणों का विकास करना है।मंत्री ने आंगनबाड़ी केंद्रों में इस प्रकार की शिक्षा को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए कई व्यवहारिक सुझाव दिए। उन्होंने दिन की शुरुआत प्रार्थना, योग और प्राणायाम से करने, पंचतंत्र एवं लोककथाओं के माध्यम से नैतिक शिक्षा देने, त्योहारों और महापुरुषों की जयंती के जरिए सांस्कृतिक जुड़ाव बढ़ाने, तथा दैनिक व्यवहार में 'नमस्ते', स्वच्छता और अनुशासन को शामिल करने पर बल दिया। साथ ही बच्चों में श्रम के प्रति सम्मान और प्रकृति प्रेम विकसित करने के लिए पौधारोपण एवं स्वच्छता जैसे छोटे-छोटे कार्यों को दिनचर्या का हिस्सा बनाने की बात कही।

उन्होंने अभिभावकों की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि महीने में 'संस्कार सभा' आयोजित कर माता-पिता को भी इस प्रक्रिया से जोड़ा जाए, ताकि घर और आंगनबाड़ी दोनों स्थानों पर बच्चों को समान वातावरण मिल सके। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि इस पहल से बच्चों में आत्मविश्वास, भाषा कौशल और सामाजिक व्यवहार का विकास होगा, साथ ही कुपोषण के साथ 'चरित्र पोषण' भी सुनिश्चित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि संस्कारित बच्चे आगे चलकर अनुशासित विद्यार्थी और जिम्मेदार नागरिक बनते हैं, जिससे समाज और राष्ट्र की मजबूत नींव तैयार होती है। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को 'दूसरी माँ' की भूमिका निभाते हुए बच्चों को प्रेमपूर्वक संस्कार देने का आह्वान किया। वर्तमान सामाजिक परिवेश में बढ़ती सामाजिक बुराइयों और मानवीय मूल्यों में गिरावट को देखते हुए उन्होंने प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र को 'संस्कार-केन्द्र' के रूप में विकसित करने पर जोर दिया।

संपादकीय

अस्पतालों में बढ़ती लापरवाही से मरीजों की जान से खिलवाड़

अस्पतालों में नियम-कायदों को ताक पर रखकर मरीजों की जान जोखिम में डालने के मामले अक्सर सामने आते रहते हैं। ऐसा ही मामला उत्तर प्रदेश में अयोध्या जिले के फैजाबाद स्थित एक निजी अस्पताल में अप्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा प्रसव कराए जाने के बाद महिला और उसके नवजात शिशु की मौत की घटना ने स्वास्थ्य सेवाओं एवं सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जाता है कि डिलीवरी वक्त संबंधित डाक्टर अस्पताल में मौजूद नहीं थीं और फोन पर ही कर्मचारियों को दिशा-निर्देश दे रही थीं। सवाल है कि कोई भी चिकित्सक किसी मरीज या गर्भवती महिला की जान के साथ ऐसा खिलवाड़ कैसे कर सकता है? क्या किसी चिकित्सक को प्रसव के दौरान होने वाली जटिलता और जोखिम का अंदाजा नहीं होता?यह अत्यंत गंभीर लापरवाही है कि अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सक की वैकल्पिक व्यवस्था के बिना ही फोन पर दिशा-निर्देश लेकर एक महिला का प्रसव कराया गया। विचित्र यह भी है कि जब संबंधित अस्पताल में कोई विशेषज्ञ डाक्टर मौजूद नहीं था, तो गर्भवती महिला को नियमानुसार किसी दूसरे अस्पताल में क्यों नहीं भेजा गया?गौरतलब है कि अस्पतालों में इस तरह नियम-कायदों को ताक पर रखकर मरीजों की जान जोखिम में डालने के मामले अक्सर सामने आते रहते हैं। कई बार तो मरीज की जान तक चली जाती है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर महज खानापूर्ति ही की जाती है।इस मामले में भी शिकायत के बाद स्वास्थ्य विभाग ने संबंधित निजी अस्पताल को सील कर दिया है और मृतका के परिजनों को जांच का आश्वासन दिया है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि जांच में लापरवाही साबित होने पर पुलिस प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।सरकारी स्तर पर दावा किया जाता है कि देश में स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे और सुविधाओं में काफी प्रगति हुई है, लेकिन क्या फोन पर अप्रशिक्षित कर्मियों को दिशा-निर्देश देकर किसी महिला का प्रसव कराने के जोखिम को तरक्की कहा जा सकता है!

असली प्रगति तो तभी होगी, जब आधुनिक सुविधाओं के साथ-साथ चिकित्सकों और उनके सहकर्मियों को अपने कर्तव्य के प्रति जिम्मेदार, संवेदनशील और जवाबदेह बनाया जाएगा। बहरहाल, उम्मीद की जानी चाहिए कि फैजाबाद के मामले में निष्पक्ष एवं गहन जांच की जाएगी और लापरवाही बरतने के दोषियों को कानून के कठघरे में लाया जाएगा।उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले के एक निजी अस्पताल में अप्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा प्रसव कराए जाने के बाद कथित चिकित्सीय लापरवाही के कारण एक महिला और उसके नवजात शिशु की मौत हो गई। अधिकारियों एवं परिवार के सदस्यों ने यह जानकारी दी। महिला के परिवार के सदस्यों ने गुरुवार को कहा कि प्रसव के दौरान डॉक्टर अस्पताल में नहीं थी और उसने फोन पर ही सारे दिशानिर्देश कर्मचारियों को दिए।

राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि षड्यंत्रकारी यूजीसी बिल से सवर्णों का विश्वास भाजपा से डिगा है और ममता बनर्जी को ब्राह्मण होने का पहली बार लाभ पश्चिम बंगाल में मिलने वाला है। वहीं, उनके जुझारू तेवर के मद्देनजर पूरे देश के सवर्ण उनपर फिदा होने को तैयार बैठे हैं। यही वजह है कि बंगाल में 250 सीटों को पार करने का उनके समर्थकों का दावा बेबुनियाद नहीं है। कांग्रेस के पूरे जनाधार को आज बंगाल में वही सहेजे हुए हैं। शायद इसलिए ही कीर्ति आजाद का मानना है कि टीएमसी की सीटें लगातार बढ़ रही हैं–2011, 2016, 2021 में वृद्धि हुई और लोकसभा 2024 में भी 6 अतिरिक्त सीटें मिलीं।

क्या पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में टीएमसी की जमीनी रणनीति से ममता बनर्जी पुनः मारेंगी बाजी?

(कमलेश पांडे)

राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि षड्यंत्रकारी यूजीसी बिल से सवर्णों का विश्वास भाजपा से डिगा है और ममता बनर्जी को ब्राह्मण होने का पहली बार लाभ पश्चिम बंगाल में मिलने वाला है। वहीं, उनके जुझारू तेवर के मद्देनजर पूरे देश के सवर्ण उनपर फिदा होने को तैयार बैठे हैं।

भागलपुर मूल के दिल्लीवासी नेता और तृणमूल कांग्रेस के तेजतर्रार सांसद कीर्ति झा आजाद ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के संदर्भ में एक बड़ा संकेत दिया और शांडिल्य गोत्रीय ब्राह्मण मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तारीफ करते हुए भविष्यवाणी की कि राज्य विधानसभा चुनाव में टीएमसी 250 सीटें जीतेगी और 2029 में ममता बनर्जी भारत की प्रधानमंत्री बनेंगी। यदि ऐसी राजनीतिक परिस्थिति बनती है तो पूर्वी भारत की सियासत के लिए यह शुभ घड़ी होगी।

ऐसा इसलिए कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री ज्योति बसु पारस्परिक दांवपेंचों की वजह से देश का प्रधानमंत्री नहीं बन पाए थे। जहां सूझबूझ वाले दूरदर्शी नेता ज्योति बसु ने कांटे के ताज पीएम पद की पेशकश को विनम्रतापूर्वक ठुकरा दिया था, वहीं लालू प्रसाद के सपनों का शिकार उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने पूर्व प्रधानमंत्री द्वय देवगौड़ा और गुजराल जैसे जनाधार विहीन नेताओं को आगे करके करवा दिया।

यूँ तो बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उड़ीसा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक भी सियासी बिल्ली के भाग्य से पीएम पद रूपी छींके टूटने का इंतजार करते रह गए, लेकिन नीयत और नीति में खोंट की वजह से गच्चा खाते रहे, जबकि उम्मीद अभी भी बाकी है! अब तो कई राजनेता मुंगेरी लाल के हसीन सपने देखते रहने के आदी बन चुके हैं, जबकि किस्मत ने साथ दिया तो राजद नेता और पूर्व मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और लोजपा रामविलास नेता व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री चिराग पासवान भी आगे इस रेस के घोड़े बन सकते हैं। सबके दिल्ली के साथ साथ कोलकाता, रांची, भुवनेश्वर से समझदारी भरे रिश्ते हैं।

राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि षड्यंत्रकारी यूजीसी बिल से सवर्णों का विश्वास भाजपा से डिगा है और ममता बनर्जी को ब्राह्मण होने का पहली बार लाभ पश्चिम बंगाल में मिलने वाला है। वहीं, उनके जुझारू तेवर के मद्देनजर पूरे देश के सवर्ण उनपर फिदा होने को तैयार बैठे हैं। यही वजह है कि बंगाल में 250 सीटों को पार करने का उनके समर्थकों का दावा बेबुनियाद नहीं है। कांग्रेस के पूरे जनाधार को आज बंगाल में वही सहेजे हुए हैं। शायद इसलिए ही कीर्ति आजाद का मानना है कि टीएमसी की सीटें लगातार बढ़ रही हैं–2011, 2016, 2021 में वृद्धि हुई और लोकसभा 2024 में भी 6 अतिरिक्त सीटें मिलीं। कोई एंटी-इनकंबेंसी नहीं है, बंगाल में विकास, अस्मिता और अलग संस्कृति की लड़ाई है।

उनके शब्दों में ममता को प्रधानमंत्री बनाने का कारण स्पष्ट है। आज उनके कद का कोई क्षेत्रीय नेता नहीं है। उन्होंने ममता को सबसे ताकतवर नेता बताया जो लगातार बीजेपी की खतरनाक राजनीतिक चालों से टक्कर ले रही हैं, और आने वाले समय में और मजबूत होंगी। राजनीतिक विश्लेषक भी मानते हैं कि ममता से बेहतर कोई चेहरा नहीं, खासकर इंडिया गठबंधन में उनकी भूमिका मजबूत होगी। चूंकि ये बयान 2026 बंगाल चुनाव प्रचार के दौरान आए, जहां उन्होंने बीजेपी, मोदी-शाह पर हमले किए और टीएमसी की योजनाओं (जैसे कन्याश्री, मनरेगा फंडिंग) की सराहना की।

आपको पता होना चाहिए कि ममता बनर्जी का बंगाल मॉडल महिलाओं, युवाओं, स्वास्थ्य, शिक्षा और गरीबों के कल्याण पर केंद्रित है, जो टीएमसी सरकार की प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं से जाना जाता है। ये योजनाएं जीवन के विभिन्न चरणों को कवर करती हैं। जहां तक महिलाओं की योजनाएं की बात है तो लक्ष्मी भंडार योजना के तहत सामान्य महिलाओं को 1500 रुपये मासिक और एससी/एसटी महिलाओं को 1700 रुपये मिलते हैं। जबकि रूपश्री में विवाह के लिए 25,000 रुपये सहायता दी जाती है, जिससे 22 लाख से अधिक महिलाओं को लाभ हुआ। कन्याश्री लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देती है।

वहीं, यदि युवाओं और बेरोजगारों के लिए बात की जाए तो बांग्ला युवा साथी (युवा साथी) योजना में 21-40 वर्ष के बेरोजगार युवाओं को 1500 रुपये मासिक भत्ता मिलता है। जबकि श्रमश्री प्रवासी मजदूरों को नई नौकरी तक 5000 रुपये सहायता देती है। वहीं, स्वास्थ्य और अन्य कल्याण कारी योजनाओं में स्वास्थ्य साथी स्वास्थ्य बीमा योजना चिकित्सा सुविधा प्रदान करती है। दुआरे चिकित्सा द्वार-द्वार स्वास्थ्य शिविर चलाती है। समावयती अंतिम संस्कार सहायता देती है, हर घर में पाइप पानी और पक्का घर सुनिश्चित करने वाली योजनाएं भी शामिल हैं।

चूंकि ममता बनर्जी को पश्चिम बंगाल में जमीन से जुड़ी नेता माना जाता है क्योंकि उन्होंने सिंगूर और नंदीग्राम जैसे भूमि अधिग्रहण आंदोलनों के जरिए किसानों और आम जनता के हितों की रक्षा की, जो उनकी छवि को मजबूत बनाता है। हालांकि, सवर्णों (जैसे ब्राह्मण) का उन्हें पूरा सपोर्ट मिलना एक अतिशयोक्ति है, क्योंकि उनकी राजनीति मुख्य रूप से मुस्लिम (लगभग 30 प्रतिशत) और दलित/ओबीसी वोटबैंक पर निर्भर है।

लेकिन यूजीसी बिल विवाद से सवर्णों में उनकी पैठ लगातार बढ़ रही है।पूरे देश के सवर्ण कार्यकर्ता गोपनीय तौर पर बंगाल पहुंच रहे हैं और ममता की मदद करके सवर्ण विरोधियों को सही सबक सिखाना चाहते हैं, ताकि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा को ओबीसी राजनीति हतोत्साहित हो सके। सबकुछ भीतर ही भीतर किया जा रहा है, ताकि ममता बनर्जी का पुराना वोट बैंक प्रभावित न हो।

ममता बनर्जी जमीन से जुड़ाव रखने वाली नेता हैं। ममता बनर्जी ने 2006-07 के सिंगूर (टाटा नैनो प्रोजेक्ट) और नंदीग्राम आंदोलनों में किसानों की जमीन बचाने के लिए आंदोलन किया, जिससे वामपंथी सरकार गिरी। यह उनके आम आदमी की नेता वाली इमेज का आधार बना, जहां वे गरीबों, किसानों और दबे-कुचले वर्गों की आवाज बनीं।

टीएमसी की कल्याणकारी योजनाएं जैसे लक्ष्मीर भांडार ने ग्रामीण और एससी/एसटी वोटरों को बांधा। वहीं, सवर्ण समर्थन की हकीकत यह है कि सवर्ण (ब्राह्मण, बंगाली बाबू) टीएमसी को सीमित समर्थन देते हैं, लेकिन पूरा नहीं–क्योंकि ममता पर मुस्लिम तुष्टिकरण के आरोप लगते हैं (जैसे वक्फ कानून, एसआईआर विरोध)। फिर भी उन्होंने ब्राह्मण सम्मेलन आयोजित किए, पुजारियों को पेंशन/आवास दिए और खुद को ब्राह्मण की बेटी कहा ताकि सॉफ्ट हिंदुत्व दिखाएं और बीजेपी का हिंदू वोट काटें।

जानकार बताते हैं कि यूजीसी बिल विवाद के बाद उन्होंने सवर्णों को रिझाने के लिए अपने खास लोगों को लगा दिया है। फिर भी, अपर मिडिल क्लास/सवर्णों में कुछ कुछ असंतोष है जो शासन की खराबी पर है, और इसलिए भी 2026 चुनावों में जातिगत ध्रुवीकरण बढ़ सकता है। सवाल मुखर है कि क्या पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में टीएमसी की जमीनी रणनीति से ममता बनर्जी पुनः मारेंगी बाजी? (लेखक वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक हैं)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

बंगाल विधानसभा चुनावों से पूर्व फिर खेल हुआ प्रारंभ, कब तक बचाव कर पाएंगी ममता दीदी?

(मृत्युंजय दीक्षित)

टीवी चैनलों पर संविधान की किताब हाथ में लेकर घूमने वाले आ गए और कहा जाने लगा कि चुनाव से दो-तीन महीने पहले ही यह छापेमारी क्यों शुरू हो जाती है? जबकि वास्तविकता यह है कि यह जांच काफी समय से चल रही है इस घोटाले की जांच रुकवाने के लिए तृणमूल नेता अभिषेक बनर्जी ने एक याचिका दायर की थी जो खारिज हो चुकी है।

वर्ष 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव घोषित हो चुके हैं। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहा है वैसे वैसे राज्य की राजनीति का पारा चढ़ रहा है। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लगातार चौथी बार मुख्यमंत्री बनने के लिए अपने प्रचार को आक्रामक बना चुकी हैं। उनके लिए इस बार राह उतनी आसान नहीं है। भारतीय जनता पार्टी भी इस बार हर हाल में बंगाल में अपनी सरकार बनाने को संकल्पबद्ध है। बिहार विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक सभा में कहा था कि गंगा नदी बिहार से ही बंगाल में जाती है और उसी दिन से बंगाल में राजनीतिक तपिश का अनुभव होने लगा था।

बंगाल में ममता दीदी के चौथी बार मुख्यमंत्री बनने की राह बहुत आसान नहीं है क्योंकि कांग्रेस और वामपंथी दल भी पूरी ताकत से ममता दीदी को हराने के लिए काम कर रहे हैं। उनकी अपनी ही पार्टी के निष्कासित विधायक हुमायू कबीर ने मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के नाम पर मस्जिद की नींव रखने और फिर नयी पार्टी बनाकर विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान कर राजनैतिक ध्रुवीकरण की समस्या पैदा कर दी है। मुर्शिदाबाद में हुमायू कबीर के कदमों का ममता दीदी की सरकार ने कोई प्रतिवाद नहीं किया कि कहीं उनके मुस्लिम मतदाता नाराज न हो जाएं। चुनाव आयोग की तरफ से मतदाता सूची के शुद्धीकरण के गहन अभियान को ममता बनर्जी ने जिस तरह बाधित करने का प्रयास किया उससे उनकी अपनी ही छवि खराब हुई है। मतदाता शुद्धीकरण अभियान के दौरान ममता बनर्जी व उनकी पार्टी ने पूरा दम लगा दिया कि किसी प्रकार इस कार्य को बाधित किया जाए या रोक दिया जाए। ममता की ओर से एसआईआर को लेकर भ्रम पैदा करने के पूरे प्रयास किए गए जिसमें उनकी ओर से पहले कहा गया कि वह एसआईआर फार्म नहीं भरेंगी और फिर उन्होंने भर भी दिया। यही कारण है कि जब ईडी का छापा पड़ा और ममता दीदी की पुलिस ने ईडी के कब्जे से ग्रीन फाइल अपने कब्जे में ली तभी से यह आरोप लगाया जाने लगा कि आखिर ममता दीदी की दाल में कुछ तो काला है। आखिर क्यों उन्हें ग्रीन फाइलों से इतना लगाव है? पहले ममता जी धमकी देते हुए कह रही थीं कि अगर वह बीजेपी के कार्यालय में घुस गयीं तो क्या हो जाएगा और अब कह रही हैं कि जब बीजेपी को पता चला कि अबकी बार बीजेपी को पहले की तुलना में भी कम सीटें आ रही हैं तब उन्होंने हमारी रणनीति चुराने का प्रयास किया। जबकि प्रवर्तन निदेशालय ने अब सरकारी काम में बाधा डालने तथा कोयला घोटाले में ममता दीदी व तृणमूल सरकार को आरोपी बनाने का फैसला किया है।

ममता दीदी के सामने अब वैसी गंभीर चुनौती है जैसी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के समक्ष आ गई थी। अगर ममता दीदी को कोर्ट से राहत नहीं मिलती या वे ग्रीन फाइल्स को लेकर जांच एजेंसियों के साथ टकराव का रास्ता अपनाती हैं तो केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने पर मजबूर हो सकती है। बंगाल में लंबे समय से कई अवसरों पर राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग भाजपा व अन्य संगठनों की ओर से लगातार की जा रही है किंतु अभी तक केंद्र की राजग सरकार ने ऐसा कोई कदम नहीं उठाया है जबकि राज्य में चुनावों के समय तृणमूल कांग्रेस के संगठित अपराधियों द्वारा चुनावी हिंसा का दौर प्रारंभ हो जाता है जिसके शिकार भाजपा व हिंदू संगठनो के कार्यकर्ता होते हैं। अभी आई -पैक प्रकरण के दौरान मची हलचल के बीच भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी की कार पर हमला बोला गया और वह आरोपियों पर कार्रवाई करने की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए।

ऐसा नहीं है कि ममता दीदी का जांच एजेंसियों के साथ टकराव पहली बार हुआ हो इससे पहले 27 अक्टूबर 2023 को जब राशन घोटाले में तत्कालीन मंत्री ज्योतिप्रिया मल्लिक को गिरफ्तार किया तब ममता उनके बचाव में उतरीं थीं। 11 अगस्त 2022 सीबीआई ने पशु तस्करी में तृणमूल नेता अनुव्रत मंडल को गिरफ्तार किया वह भी ममता दीदी के करीबी थे। 23 जुलाई 2022 को स्कूल भर्ती घोटाले में ईडी ने शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी को गिरफ्तार किया। 6 सितंबर 2021 को नारद स्टिंग केस में सीबीआई ने तृणमूल नेताओं को गिरफ्तार किया तब ममता दीदी ने सीबीआई के कार्यालय के बाहर 6 घंटे धरना दिया। 6 सितंबर 2021 को ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी से कोयला घोटाले में 9 घंटे तक पूछताछ हो चुकी हैं। बंगाल के राजनीतिक इतिहास में सबसे बड़ा शरदा चिटफंड घोटाला हुआ है जिसकी जांच के दायरे में ममता दीदी सीधे फंसी हुई हैं। आगामी सप्ताह में बंगाल की राजनीति और चटखदार होने वाली है क्योंकि अब दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर वार-पलटवार तेज कर दिए हैं। अदालतों का निर्णय बंगाल विधानसभा चुनावों की दिशा और दशा तय करने वाले हो सकते हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

तीन राज्य, एक मुकाबला- अकेली भाजपा, एकजुट विपक्ष - विचारधाराओं का निर्णायक टकराव

(पी. चिदंबरम)

भाजपा की नीतियां तथा उसकी सरकार के कानून हिंदू वर्चस्व (हिंदुत्व), वैदिक ग्रंथों और प्रथाओं में आस्था, आर्य सभ्यता या संस्कृति, केंद्रीकरण, कार्यपालिका की प्रधानता, एक साझा भाषा (हिंदी), शाकाहार, एक राष्ट्र-एक सरकार और कोरियाई चैबोल जैसे व्यापारिक घरानों से मैत्रीपूर्ण संबंधों के विचारों पर आधारित हैं।

मुझे नहीं पता कि कौन-से ग्रह एक साथ आएंगे या कौन-सा ग्रह वक्री होगा, लेकिन भारत के राजनीतिक परिदृश्य को देखते हुए मैं कह सकता हूं कि 'हम रोचक दौर से गुजर रहे हैं'।

विपरीत विचारधारा – असम, केरल, पुदुचेरी (केंद्रशासित प्रदेश), तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव 9, 23 और 30 अप्रैल को होंगे। हाल के वर्षों में पहली बार भाजपा केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में स्थापित वाम-उदारवादी राजनीतिक दलों को चुनौती दे रही है। वैचारिक दृष्टि से केरल में यूडीएफ यानी युनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट और एलडीएफ यानी लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट, दोनों ही वाम केंद्रित हैं। तमिलनाडु में द्रमुक के नेतृत्व वाला गठबंधन (जिसमें कांग्रेस भी शामिल है) और पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस स्पष्ट रूप से वाम-उदारवादी दल हैं। ये सभी संविधान, संघवाद, संसद या विधानमंडल की सर्वोच्चता, धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय, समान विकास, कल्याणकारी उपाय, मीडिया की स्वतंत्रता और उदार अर्थव्यवस्था के समर्थक हैं। एलडीएफ, द्रमुक और तृणमूल कांग्रेस अपने-अपने राज्य में सरकार चला रहे हैं। चुनौती देने वाली पार्टी भाजपा है, जिसने वैचारिक रूप से खुद को दक्षिणपंथी खेमे में स्थापित किया है। मैं दक्षिणपंथी विचारधारा में केवल आरएसएस को इससे आगे मान सकता हूं, लेकिन उसका दावा है कि वह एक राजनीतिक दल नहीं है।

हालांकि, आरएसएस अनिच्छा से स्वीकार करता है कि उसके प्रमुख नेता भाजपा संगठन में महत्त्वपूर्ण पदों पर रहे हैं और अभी भी हैं, इसके अलावा भाजपा सरकारों के कई मंत्री प्रचारक रहे हैं और स्वयंसेवक बने हुए हैं। आम नागरिक आरएसएस को जनक और भाजपा को उसकी संतान के रूप में देखता है। भाजपा की नीतियां तथा उसकी सरकार के कानून हिंदू वर्चस्व (हिंदुत्व), वैदिक ग्रंथों और प्रथाओं में आस्था, आर्य सभ्यता या संस्कृति, केंद्रीकरण, कार्यपालिका की प्रधानता, एक साझा भाषा (हिंदी), शाकाहार, एक राष्ट्र-एक सरकार और कोरियाई चैबोल जैसे व्यापारिक घरानों से मैत्रीपूर्ण संबंधों के विचारों पर आधारित हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने वर्ष 2014 तक चले आ रहे आम सहमति के दौर से जानबूझकर नाता तोड़ लिया है। इन तीनों राज्यों में चुनावी मुकाबला वाम-उदारवादी और दक्षिणपंथी राजनीतिक दलों के बीच होगा।

केरल – यहां कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ और माकपा के नेतृत्व वाले एलडीएफ का पिछले पचास वर्षों से दबदबा रहा है। छोटे दल इनमें से किसी एक गुट की ओर आकर्षित होते रहे हैं। केरल के मतदाता कभी यूडीएफ तो कभी एलडीएफ को समर्थन देते रहे, लेकिन वर्ष 2021 में उन्होंने इस परंपरा को तोड़ते हुए एलडीएफ को फिर से चुना, जिसने वर्ष 2016 में भी जीत हासिल की थी। दोनों मोर्चे मजबूत हैं और उन्होंने अपनी चुनावी रणनीतियों को और भी प्रभावी बना लिया है। आम राय यह है कि एलडीएफ ने उम्रदराज नेता पिनरई विजयन के नेतृत्व में दो कार्यकाल पूरे कर लिए हैं और अब बदलाव का समय आ गया है। वर्ष 2018 की बाढ़ और 2024 में वायनाड भूस्खलन की घटना के प्रति एलडीएफ सरकार की अकुशल प्रतिक्रिया ने उसकी छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाया है। कांग्रेस के पास कई सक्षम और अपेक्षाकृत युवा नेता हैं तथा उसे यूडीएफ की बहुमत से आसान जीत का पूरा भरोसा है। भाजपा केरल की जनता की नब्ज को समझ नहीं पा रही है। कयास इस बात पर लगाए जा रहे हैं कि भाजपा यहां कितनी सीटें जीत पाएगी, माना जा रहा है कि यह आंकड़ा एक अंक तक ही सीमित रह जाएगा।

तमिलनाडु वर्ष 2021 और 2024 का द्रमुक नेतृत्व वाला गठबंधन बरकरार है और एमके स्टालिन ने छोटे दलों को द्रमुक के चुनाव चिह्न पर मैदान में उतरने के लिए राजी कर लिया है। इस रणनीति से वोटों का नुकसान नहीं होगा। वर्ष 2021 (विधानसभा) और 2024 (लोकसभा) के चुनावों के बाद से अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन के वोटों में गिरावट आई है, लेकिन उसे अन्नाद्रमुक से अलग हुए गुट एएमएमके का समर्थन प्राप्त हो गया है। हालांकि, एक महीने पहले ही एएमएमके ने ई पलानीस्वामी को अन्नाद्रमुक के नेता या गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में कभी स्वीकार न करने की कसम खाई थी।अन्नाद्रमुक के लिए भाजपा क्या लेकर आती है? निश्चित रूप से केंद्र सरकार की शक्ति, संसाधन, चुनाव आयोग का परोक्ष समर्थन और अपने राष्ट्रीय नेताओं की ध्रुवीकरण वाली बयानबाजी। ये कारक वर्ष 2021 और 2024 में काम नहीं आए थे और शायद 2026 में भी काम न करें। भाजपा 234 में से 27 सीटों पर चुनाव लड़ रही है और वह कितनी सीटें जीतेगी, इस पर अटकलें निचले एक अंक से लेकर दस तक के बीच हैं।जोसेफ विजय द्वारा स्थापित टीवीके तथा एनटीके की उपस्थिति और वोटों को विभाजित करने की उनकी क्षमता के कारण, प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव कांटे की टक्कर का होगा, लेकिन कुल मिलाकर परिणाम एक ही गठबंधन के पक्ष में रहेगा। चुनाव पर्यवेक्षकों और अनुभवी पत्रकारों का मानना है कि द्रमुक के नेतृत्व वाला गठबंधन सत्ता में वापसी करेगा।

पश्चिम बंगाल – यहां सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और चुनौती देने वाली भाजपा के बीच सीधा मुकाबला है। पूर्व सत्ताधारी दल- कांग्रेस और माकपा भाजपा पर निशाना साधेंगे, लेकिन इससे अंतिम परिणाम पर कोई खास असर पड़ने की संभावना नहीं है। यह लड़ाई चिर-योद्धा ममता बनर्जी तथा लगातार चुनौती देने वाले नरेंद्र मोदी और अमित शाह के बीच है। यह मुकाबला सिर्फ राजनीतिक नहीं रहा, बल्कि आक्रामक और तीखा रूप ले चुका है। इसने पश्चिम बंगाल के लोगों में अपनी संस्कृति, साहित्य, भाषा, लोकाचार, सांप्रदायिक सद्भाव, देशभक्ति तथा स्वामी विवेकानंद, रवींद्रनाथ टैगोर, बंकिम चंद्र चटर्जी और अमर्त्य सेन जैसे आदर्शों के प्रति श्रद्धा की रक्षा करने की भावना को जागृत किया है। यदि बंगाली गौरव और स्वाभिमान प्रबल होता है, तो ममता बनर्जी और उनकी पार्टी लगातार चौथी बार विजयी होंगी।

ये तीनों राज्य हिंदी भाषी क्षेत्रों से बाहर हैं। यहां प्रत्येक पार्टी का प्रदर्शन उसके भविष्य पर गहरा प्रभाव डालेगा। खासकर भाजपा के लिए यह ज्यादा महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि इन क्षेत्रों के राजनीतिक और सामाजिक लोकाचार में उसे बाहरी पार्टी माना जाता है।पश्चिम बंगाल के चुनावी समंदर में इस बार मछली सिर्फ थाली तक सीमित नहीं रही, बल्कि सियासत के केंद्र में आकर तैरने लगी है। मछली अप्रत्याशित लेकिन असरदार राजनीतिक प्रतीक बन गई है। 'रोडशो' में लहराई जा रही विशाल कतला से लेकर हिलसा, पाबदा और चिंगड़ी मछली अब सियासी मंचों पर धमक दिखा रही हैं। दरअसल, भोजन की पसंद अब पहचान और संस्कृति की लड़ाई में बदल गई है, जहां यह तय करने की होड़ मची है कि असल बंगाली का प्रतिनिधित्व आखिर कौन करता है। (यह लेखक के अपने विचार हैं)

मानवता की मिसाल

20वीं बार रक्तदान कर कोच शिवेन्द्र ठाकुर ने बचाई एक बेटी की उम्मीद

सुकमा। बस्तर अंचल के सुकमा जिले से एक बार फिर इंसानियत को जिंदा रखने वाली एक प्रेरणादायक खबर सामने आई है। खेलो इंडिया एकेडमी के प्रतिष्ठित NIS फुटबॉल कोच शिवेन्द्र ठाकुर ने अपने सेवा भाव और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए 20वीं बार रक्तदान कर एक मासूम बेटी के जीवन को नई उम्मीद दी है।

यह मामला कोंटा RMS आश्रम में पढ़ाई कर रही छात्रा सोढ़ी हांदे से जुड़ा है, जो इस समय गंभीर हालत में अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती है। जीवन और मौत के बीच जूझ रही इस बच्ची को तत्काल रक्त की आवश्यकता थी। ऐसे कठिन समय में जब परिवार का सहारा भी उसके पास नहीं था, तब कोच शिवेन्द्र ठाकुर एक फरिश्ते की तरह सामने आए। बताया जा रहा है कि सोढ़ी हांदे करिगुंडम जैसे अतिसंवेदनशील क्षेत्र की रहने वाली हैं। उनके माता-पिता इस दुनिया में नहीं हैं, और वह कोंटा RMS आश्रम में रहकर अपनी पढ़ाई पूरी कर रही हैं। हालात ने उन्हें पहले ही बहुत कुछ छीन लिया था, लेकिन अब बीमारी ने उनकी जिंदगी को एक और कठिन परीक्षा में डाल दिया। जब इस बच्ची की गंभीर स्थिति और रक्त की आवश्यकता की जानकारी कोच शिवेन्द्र ठाकुर तक पहुंची, तो उन्होंने बिना एक पल गंवाए तुरंत अस्पताल पहुंचकर रक्तदान किया। यह कोई पहली बार नहीं है, बल्कि इससे पहले भी वह 19 बार रक्तदान कर कई लोगों की जान बचा चुके हैं। उनका यह 20वां रक्तदान न सिर्फ एक संख्या है, बल्कि यह उनके भीतर बसे सेवा और समर्पण की गहराई को दर्शाता है। कोच शिवेन्द्र ठाकुर ने इस मौके पर बेहद भावुक शब्दों में कहा कि,यह सिर्फ एक छोटी सी कोशिश है। अगर मेरे इस प्रयास से एक बेटी की जान बच सके, तो इससे बड़ी खुशी मेरे लिए कुछ नहीं हो सकती। उनका यह कदम समाज के लिए एक प्रेरणा है कि इंसानियत आज भी जिंदा है। जहां एक ओर लोग अपने जीवन में व्यस्त रहते हैं, वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो दूसरों के दर्द को अपना समझकर आगे आते हैं। सुकमा जैसे क्षेत्र, जहां चुनौतियां पहले से ही बहुत हैं, वहां इस तरह की घटनाएं उम्मीद की एक नई किरण बनकर सामने आती हैं। शिवेन्द्र ठाकुर जैसे लोग यह साबित करते हैं कि असली जीत सिर्फ मैदान में नहीं, बल्कि इंसानियत के मैदान में भी होती है।आज जरूरत है कि समाज के हर व्यक्ति इस भावना को समझे और आगे बढ़कर जरूरतमंदों की मदद करे। क्योंकि कभी-कभी किसी के लिए आपका एक छोटा सा प्रयास ही उसकी पूरी जिंदगी बन सकता है। सोढ़ी हांदे के लिए किया गया यह रक्तदान सिर्फ एक मदद नहीं, बल्कि एक संदेश है कि दुनिया में अभी भी ऐसे लोग मौजूद हैं, जो बिना किसी स्वार्थ के दूसरों के लिए जीते हैं।

आगामी शिक्षा सत्र में बुधपदर पोटाकेबिन में छात्र छात्राओं के लिए प्रारंभ होंगे आवासीय स्कूल : कलेक्टर

दंतेवाड़ा। जिले के गीदम विकासखंड अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने के लिए कलेक्टर द्वारा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। इसके तहत विशेष रूप से शिक्षा से जुड़े बुनियादी ढांचे को आगामी शैक्षणिक सत्र से पहले पूर्ण करने पर जोर दिया गया है। इस क्रम में कलेक्टर ने पंचायत बुधपदर के गुमरगुड़ा, जपोड़ी पोटाकेबिन में बालिका एवं बालक शौचालय निर्माण, पानी की समुचित व्यवस्था हेतु नए बोर का खनन, सीट मरम्मत कार्य सहित अन्य आवश्यक कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा विद्यालय में स्वच्छता बनाए रखने हेतु रेन वॉटर वाशिंग सिस्टम की व्यवस्था करने पर भी बल दिया गया, ताकि एकलव्य आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन द्वारा बुधपदर पंचायत अंतर्गत इस 500 सीटर पोटाकेबिन को आगामी शिक्षा सत्र में संचालन किए जाने की योजना है। इसके अलावा कलेक्टर ने बड़ेकारका से कोड़नार तक लगभग 4 किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण के लिए मिट्टी-मुरूम कार्य एवं 6 पुलियों के निर्माण का प्रस्ताव तैयार करने को भी कहा। यह सड़क क्षेत्रीय आवागमन को सुगम बनाने के साथ ही ग्रामीणों की दैनिक जरूरतों को भी आसान बनाएगी। इसके साथ ही कलेक्टर ने बारसुर स्थित डैनेक्स भवन के मरम्मत कार्य को भी प्राथमिकता में रखते हुए इसे आगामी दो माह में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर के निरीक्षण भ्रमण के दौरान डेनेक्स कर्मचारियों ने भवन से संबंधित समस्याओं से कलेक्टर को अवगत कराया। अतः कलेक्टर ने भवन में हो रहे पानी के सीलन और पानी रिसाव की समस्या को दूर करने के लिए एसडीएम को आवश्यक मरम्मत करने के निर्देश दिए। वहीं डैनेक्स फैक्ट्री के पास स्थल पर प्रस्तावित 240 सीटर नर्सिंग कॉलेज के लिए भी आवश्यक तैयारियां शुरू करने को भी कहा गया, इस नर्सिंग कॉलेज के निर्माण से क्षेत्र में स्वास्थ्य एवं शिक्षा के नए अवसर विकसित होंगे। इस क्रम में कलेक्टर द्वारा ग्राम कोरकोटी में केश कुंड से पंचायत भवन तक लगभग 1.5 किलोमीटर लंबी बीटी सड़क निर्माण के लिए भी प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। यह सड़क ग्रामीणों के लिए आवागमन को सुगम बनाएगी। भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने गांव के सरपंच एवं ग्रामीणों से चर्चा करते हुए कहा कि गांवों में सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, आंगनवाड़ी एवं स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। इस दौरान कलेक्टर ने ग्रामीणों की आय बढ़ाने पर भी जोर देते हुए कहा कि वनोपजों, कृषि सहित अन्य उपलब्ध संसाधनों की बदौलत ग्रामीण वर्तमान में जो 10-15 हजार आय प्राप्त कर रहे है।

जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी के नेतृत्व में जनप्रतिनिधि पहुंचे सुदूर पंचायतों में, ग्रामीणों और लाभार्थियों से किया सीधा संवाद

किरंदुल। भारतीय जनता पार्टी के गांव चलो, बस्ती चलो अभियान के तहत जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी के नेतृत्व में शनिवार ग्राम पंचायत खुटेपाल, श्यामगिरी, गोंगपाल, बड़े हडमामुंडा एवं मैलावाड़ा में सघन जनसंपर्क एवं जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने दूरस्थ अंचलों तक पहुंचकर ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित किया तथा उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं को गंभीरतापूर्वक सुना।

कार्यक्रम के दौरान केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं–प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, उज्वला योजना, किसान सम्मान निधि, महतारी वंदन योजना आदि–की विस्तृत जानकारी ग्रामीणों को दी गई। साथ ही योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों से संवाद कर उनके अनुभव साझा किए गए, जिससे योजनाओं की जमीनी प्रभावशीलता का आकलन किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी ने कहा कि गांव चलो, बस्ती चलो अभियान का उद्देश्य केवल योजनाओं की जानकारी देना नहीं, बल्कि अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक उनका वास्तविक लाभ सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों का गांव-गांव पहुंचकर सीधे संवाद करना, समस्याओं को समझना और उनके समाधान के लिए प्रतिबद्ध रहना ही सुशासन की पहचान है। इस प्रकार के प्रयासों से जनता का विश्वास और अधिक सुदृढ़ होता है तथा विकास कार्यों को नई दिशा मिलती हैं। उन्होंने आगे कहा कि सरकार की योजनाओं का सकारात्मक प्रभाव अब स्पष्ट रूप से गांवों में दिखाई दे रहा है और समाज के हर वर्ग तक विकास की किरण पहुंच रही है। जनसंवाद के इस माध्यम से शासन और जनता के बीच की दूरी कम हो रही है, वहीं संगठन भी जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त हो रहा है। गांव चलो, बस्ती चलो अभियान के माध्यम से संगठन और जनता के बीच सीधा जुड़ाव स्थापित हो रहा है, जो जनभागीदारी, सुशासन और समग्र विकास की दिशा में एक सशक्त पहल बनकर उभर रहा है।

इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष सुकालू मुड़ामी,भाजपा जिला भाजपा महामंत्री सत्यजीत चौहान, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहें।

'सुपर 60' मॉडल स्कूलों पर जोर

कांकेर। जिले में शिक्षा की गुणवत्ता सुधार एवं विद्यार्थियों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 'सुपर 60 मॉडल स्कूल' योजना को लेकर जिला स्तरीय महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक जिला कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी नीलेश कुमार महादेव क्षीरसागर तथा जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी के निर्देशन में जिला पंचायत सभा कक्ष में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी रमेश कुमार निषाद एवं डीएमसी नवनीत पटेल द्वारा की गई। इसमें जिले के सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं चयनित सुपर 60 मॉडल स्कूलों के संस्था प्रमुख उपस्थित रहे। बैठक में विद्यालयों के संचालन, शैक्षणिक गुणवत्ता, आधारभूत सुविधाओं, कक्षा-वार उपलब्धियों एवं बोर्ड परीक्षा की तैयारी जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेष रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए सुधारात्मक कक्षाएं, नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों का उपयोग एवं परिणामोन्मुखी शिक्षा प्रणाली को लागू करने पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि प्रत्येक विद्यालय लक्ष्य आधारित अध्ययन वातावरण विकसित करे और नियमित मूल्यांकन प्रणाली को मजबूत बनाए। जिला शिक्षा अधिकारी एवं डीएमसी ने बताया कि प्रारंभिक कक्षाओं (कक्षा 1 से 3) में अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई प्रारंभ करने की दिशा में भी कार्य किया जाएगा। साथ ही डिजिटल शिक्षा, मेंटरिंग, अतिरिक्त कक्षाओं एवं सतत मूल्यांकन प्रणाली को प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश दिए गए। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि जिले के कुल 60 विद्यालयों को 'सुपर 60 मॉडल स्कूल' के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके अंतर्गत विकासखंडवार स्कूलों का चयन किया गया है।

विकासखंड अंतागढ़ (8 स्कूल): प्राथमिक शाला पोण्डगांव, भैंसासुर, नीलझर, तालाबेड़ा, करेंगांव, कुहचे, गोंडी, हिमोड़ा

विकासखंड भानुप्रतापपुर (7 स्कूल): प्राथमिक शाला भीरागांव, कोरर, कच्चे (मर्ज), चबेला, नारायणपुर, करमोती, कुर्री।

विकासखंड चारामा (9 स्कूल): प्राथमिक शाला हाराडुला, शाहवाड़ा, अरौद, लखनपुरी, साल्हेटोला, भरीटोला, सिरसिदा, लिलेझर, रामपुर।

विकासखंड दुर्गूकोंदल (9 स्कूल): प्राथमिक शाला पेड़ावारी (मर्ज), ताराईघोटिया (मर्ज), सुखई (मर्ज), लोहत्तर (मर्ज), ईरागांव (मर्ज), डांगरा, भण्डारडीगी, आमागढ़, मर्रामपानी।

विकासखंड कांकेर (9 स्कूल): प्राथमिक शाला पदौद, बेवरती, कंकालिनपारा, लट्टीपारा, पुत्री शाला, राजापारा, अन्नपूर्णापारा, भण्डारीपारा, माहुरबंदपारा।

विकासखंड कोयलीबेड़ा (9 स्कूल): प्राथमिक शाला बाजारपारा चारगांव, पी.वी. 50+51, छोटेबेठिया, रेंगावाही, बड़गांव, पी.वी. 31, इरपानार, पी.वी. 105, बांदे कॉलोनी।

विकासखंड नरहरपुर (9 स्कूल): प्राथमिक शाला कोटलभट्टी, बाहनापानी, धनेसरा, रिसेवाड़ा, नयापारा अमोड़ा, पुरियापारा करप, मावलीपारा, दुधावा, कुरना।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इन विद्यालयों को शैक्षणिक उत्कृष्टता के मॉडल के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए नियमित मॉनिटरिंग, जवाबदेही तय करना एवं सतत समीक्षा की जाएगी। बैठक में यह भी बताया गया कि चयनित स्कूलों में सत्र 2026-27 से उक्त शैक्षणिक व्यवस्था लागू की जाएगी। अधिकारियों ने सभी संस्था प्रमुखों को निर्देशित किया कि वे अपने विद्यालयों में अनुशासन, गुणवत्ता और नवाचार को प्राथमिकता देते हुए ठोस कार्ययोजना तैयार करें। इस पहल को जिले में शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा एवं उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त होगा। इस प्रकार के पहल से जहां पालकों को निजी विद्यालयों के भारी भरकम फीस की भी बचत होगी और बच्चों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्राप्त होगी इस योजना की आम जनमानस के बीच शिक्षा विभाग के प्रति विश्वास में वृद्धि होगी ।

किरन्दुल में बंगीय समाज द्वारा की गई शीतला देवी की पूजा

किरन्दुल। किरन्दुल तालाब पारा में बंगीय समाज के भक्तगणों द्वारा शनिवार शीतला माता की विशेष पूजा अर्चना की गई। इस पूजा में नगर से सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालुगण सम्मिलित होकर माता रानी की दर्शन किए।इस पावन अवसर पर भक्त जन सुबह से ही उपवास रहकर पूजा अर्चना कर देवी को पुष्पांजलि अर्पित किए। जिसके बाद प्रसाद वितरण किया गया।

पीएचई विभाग द्वारा ग्राम पंचायतों में हैंडपंपों का मरम्मतीकरण अभियान जारी

दंतेवाड़ा। गर्मी को देखते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी द्वारा पेयजल सुविधा के सुचारू संचालन के लिए दूरस्थ ग्राम पंचायतो में हैंडपंप को मरम्मती कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इस म में कुआकोंडा ब्लॉक के ग्राम बेनपाल कोतापाल पारा, बंगपाल और बड़ेपल्ली हैंडपंप का सुधार किया गया।

नारायणपुर पुलिस डीआरजी जवानों को कर रही है आधुनिक और डिजिटल पोलिसिंग के लिए तैयार

नारायणपुर। पुलिस अधीक्षक नारायणपुर रोबिनसन गुड़िया (भा.पु.से.) के निर्देशन में डीआरजी बल एवं जिला नारायणपुर में पदस्थ अधिकारियों/ कर्मचारियों को नवीन आपराधिक कानूनों एवं संबंधित विषयों की जानकारी प्रदान करने हेतु दिनांक 06.04.2026 से ओपन एरिना डीआरजी कैंपस में विशेष दक्षता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस बल को भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 सहित अपराध विवेचना, ई-साक्ष्य, यातायात एवं टाइपिंग/कार्यालयीन कार्यों की बुनियादी जानकारी से अवगत कराते हुए उन्हें विधिक रूप से दक्ष बनाना रहा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजय महादेवा के मार्गदर्शन में संपूर्ण प्रशिक्षण निर्धारित समय-सारणी के अनुसार संचालित किया गया। इस दौरान विभिन्न अनुभवी अधिकारियों द्वारा केस डायरी लेखन, विवेचना की प्रक्रिया, महिला एवं बाल अपराधों की जांच, भारतीय साक्ष्य अधिनियम के प्रावधान तथा यातायात संबंधी नियमों पर विस्तृत एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। जिला नारायणपुर पुलिस द्वारा जवानों को आम नागरिकों के हित में कम्युनिटी पुलिसिंग के प्रति दक्ष बनाने पर विशेष फोकस किया जा रहा है। इसके तहत उन्हें जनता से बेहतर संवाद, विश्वास निर्माण एवं समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु प्रशिक्षित किया जा रहा है, जिससे पुलिस-जनता के बीच समन्वय मजबूत हो और क्षेत्र में सुरक्षा व सामाजिक समरसता को बढ़ावा मिले। पुलिस अधीक्षक रोबिनसन गुड़िया ने जवानों से अपील किया कि प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान का उपयोग अपने दैनिक कार्यों में प्रभावी तरीके से करें, जिससे आम नागरिकों को त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण न्याय मिल सके तथा कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साड़ी वितरण में घोटाले का आरोप, संतराम नेताम ने सरकार को घेरा

केशकाल। छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष संतराम नेताम ने राज्य सरकार और महिला एवं बाल विकास विभाग पर गंभीर आरोप लगाते हुए इसे भ्रष्टाचार का अड्डा करार दिया है। उन्होंने कहा कि साय सरकार में ऐसा कोई विभाग नहीं बचा है जहां बिना कमीशन के काम हो सके। नेताम ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को वितरित की गई साड़ियों की गुणवत्ता और माप पर सवाल उठाते हुए इसे चीरहरण घोटाला बताया। उनका आरोप है कि जहां 6.3 मीटर लंबाई की साड़ी दी जानी थी, वहां 5 मीटर या उससे भी कम लंबाई और घटिया गुणवत्ता की साड़ियां बांटी गईं, जिनका उपयोग करना भी महिलाओं के लिए मुश्किल हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि जिन साड़ियों को स्थानीय हथकरघा बुनकरों से लगभग 500 रुपये में खरीदा जा सकता था, उन्हें गुजरात से करीब 100 रुपये में खरीदकर 500 रुपये की बिलिंग कर दी गई, जिससे बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने कहा कि विभाग में एक महिला मंत्री के रहते हुए भी महिलाओं के अधिकारों का हनन हो रहा है और कमीशनखोरी का खेल जारी है। नेताम ने मांग की कि घटिया साड़ियों को तत्काल वापस लिया जाए और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को अच्छी गुणवत्ता की साड़ियां उपलब्ध कराई जाएं। अंत में उन्होंने कहा कि बार-बार भ्रष्टाचार के आरोप सामने आने के बाद संबंधित मंत्री को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देना चाहिए।

1 लाख रुपये के गांजे के साथ पकड़ाया आरोपी, उजियारा अभियान के तहत नशे के विरुद्ध कांकेर पुलिस की बड़ी कार्यवाही

कांकेर। अनुविभागीय अधिकारी पुलिस शेर बहादुर सिंह ठाकुर भानुप्रतापपुर के पर्यवेक्षण में मुखबीर सूचना प्राप्त होते ही भानुप्रतापपुर पुलिस द्वारा घटना स्थल ग्राम बाँधियापारा शाहकट्टा आरोपी द्वारा किलो ग्राम 2.170 ग्राम मादक पदार्थ गांजा अवैध रूप से रखकर बिक्री करने हेतु ग्राहक तलाश करते हुए रंगे हाथो पकड़ा गया तत्पश्चात पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए थाना भानुप्रतापपुर में अपराध क्र. 77/2026 धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया जाकर अभियुक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक रिमांड में जेल भेजा गया। आरोपी यशवंत धनेलिया पिता वासुदेव धनेलिया उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम बाँधिया पारा, शाहकट्टा थाना भानुप्रतापपुर जिला कांकेर के पास से 2.170 किलो ग्राम गांजा किमती 1,08000 रू.। इस कार्यवाही में निरीक्षक रामेश्वर प्रसाद देशमुख थाना प्रभारी भानुप्रतापपुर, सहायक उप निरीक्षक रामबीर जाड़े, प्रधान आरक्षक 551 विजय कटकवार, आरक्षक 751 नरेश गावडे, आरक्षक क्रमांक 21 टोमन साहू, महिला आरक्षक क्रमांक 1238 रविता शोरी का योगदान रहा।

केशकाल में नन्हे रोजेदार कार्यक्रम का भव्य आयोजन, 150 से अधिक बच्चों का सम्मान

केशकाल। आल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन, कोंडागांव जिला द्वारा केशकाल स्थित मेमन जमत खाना में नन्हे रोजेदार कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद सिराज एवं प्रदेश उपाध्यक्ष हाजी वसीम अहमद की सरपरस्ती में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान रमजान के पवित्र महीने में रोजा रखने वाले 11 वर्ष से कम आयु के 150 से अधिक बच्चों को मोमेंटो एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। नन्हे रोजेदारों के जज्बे, अनुशासन और समर्पण की उपस्थित अतिथियों ने मुक्त कंठ से सराहना की और इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। इस अवसर पर संरक्षक हाजी असलम मंसूरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं जिला अध्यक्ष मोहम्मद शकील सिद्दीकी, शहर अध्यक्ष जमाल बडगूजर एवं केशकाल शहर अध्यक्ष आवेश विरानी की विशेष उपस्थिति रही। अतिथियों ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सफलता के लिए उम्र नहीं, बल्कि नीयत और मजबूत इरादे मायने रखते हैं। कार्यक्रम के दौरान इस वर्ष हज यात्रा पर जाने वाले हाजी साहब का सम्मानपूर्वक इस्तकबाल भी किया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में बुजुर्ग, युवा और बच्चों की सहभागिता रही, जिससे कार्यक्रम सफल और यादगार बन गया। अंत में केशकाल शहर अध्यक्ष आवेश विरानी ने सभी अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

बस्तर की अस्मिता के प्रतीक 'बली दादा' की प्रतिमा स्थापना की मांग तेज

सुकमा। बस्तर के लोकप्रिय जननेता और पूर्व सांसद बलिराम कश्यप की स्मृति में सुकमा नगर में आदमकद प्रतिमा स्थापित करने की मांग तेज हो गई है। वार्ड क्रमांक 13 की पार्षद कांता राठी ने इस संबंध में नगरपालिका अध्यक्ष और सीएमओ को ज्ञापन सौंपकर जल्द कार्यवाही करने का आग्रह किया है।

पार्षद कांता राठी ने सामान्य सभा की बैठक में भी यह प्रस्ताव रखा और कहा कि स्व. कश्यप बस्तर की अस्मिता, स्वाभिमान और जनसेवा के प्रतीक रहे हैं। उनके योगदान को देखते हुए सुकमा के किसी प्रमुख चौराहे पर उनकी प्रतिमा स्थापित करना जनभावनाओं के अनुरूप होगा। राठी ने बताया कि बलिराम कश्यप ने सांसद रहते हुए बस्तर की समस्याओं को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से उठाया और क्षेत्र को एक अलग पहचान दिलाई। उनका जीवन आदिवासी समाज, ग्रामीण विकास और सामाजिक समरसता के लिए समर्पित रहा। उन्होंने सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और संचार जैसी मूलभूत सुविधाओं के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। खासकर दूरस्थ वनांचल और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने में उनके प्रयास सराहनीय रहे। कांता राठी ने कहा कि उनकी प्रतिमा स्थापित होने से नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलेगी और बस्तर के गौरवशाली इतिहास से युवाओं का जुड़ाव बढ़ेगा। यह कदम न केवल एक महान जननायक को सच्ची श्रद्धांजलि होगा, बल्कि सामाजिक एकता और सकारात्मक सोच को भी मजबूती देगा।

संक्षिप्त समाचार

दिन में खनन, रात में परिवहन बेलतरा में नियमों की उड़ रही धज्जियां-अंकित गौरहा

बिलासपुर। बेलतरा प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद बेलतरा विधानसभा क्षेत्र लगातार अवैध खनन को लेकर पूरे प्रदेश में सुर्खियों बटोर रहा है है। क्षेत्र में रेत,मुरुम और मिट्टी माफियाओं का नेटवर्क इतना मजबूत हो चुका है कि दिनदहाड़े खुलेआम अवैध उत्खनन किया जा रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभागों की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नजर नहीं आ रही। इस विषय में प्राप्त जानकारी के अनुसार, सेंदरी, लोपंदी, कछार, बैमा, पेंडरवा, मोपका, कोनी, सरवन देवरी क्षेत्र सहित कई घाटों पर भारी मशीनों और ट्रैक्टरों के जरिए नियमों को ताक पर रखकर खनन जारी है। हालात इतने गंभीर हैं कि कभी अवैध उत्खनन के दौरान घाट पर ही ट्रैक्टर चालक की मौत हो जाती है, तो कभी प्रशासनिक अधिकारियों को घेरने जैसी घटनाएं सामने आती हैं। वहीं तेज रफ्तार से दौड़ते खनन वाहनों के कारण ग्रामीण लगातार दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अवैध खनन के चलते न केवल पर्यावरण और राजस्व को नुकसान पहुंच रहा है, बल्कि गांवों की सड़कों की हालत भी बदतर हो गई है। इसके बावजूद जिला प्रशासन की कई शिकायतों के बावजूद न तो कोई सख्ती दिखाई दे रही है और न ही कोई प्रभावी रोकथाम की कार्रवाई। इस पूरे मामले पर कांग्रेस नेता अंकित गौरहा ने कहा कि बेलतरा आज अवैध खनन माफियाओं का गढ़ बन चुका है। लगातार हो रही घटनाएं यह साबित करती हैं कि जिला प्रशासन और सत्ता के संरक्षण के कारण ही इन पर कार्यवाही नहीं होती।अगर जल्द सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो हालात और भयावह हो सकते हैं। यह सिर्फकानून व्यवस्था का नहीं,आम जनता की सुरक्षा और भविष्य का सवाल है।उन्होंने आगे कहा कि अवैध खनन के खिलाफ प्रभावी अभियान चलाकर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि क्षेत्र में कानून का राज स्थापित हो सके।

चर्लपल्ली-रक्सौल-चर्लपल्ली के मध्य साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन के परिचालन में विस्तार

बिलासपुर। यात्रियो की सुविधा को ध्यान में रखते हुये रेल प्रशासन के द्वारा गाड़ी संख्या 07005/07006 चर्लपल्ली-रक्सौल-चर्लपल्ली के मध्य चल रही समर स्पेशल ट्रेन के परिचालन में 08-08 फेरों का विस्तार किया गया है । परिचालन में विस्तार होने के बाद अब 07005 चर्लपल्ली-रक्सौल साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन दिनांक 12 अप्रैल से 31 मई 2026 तक (प्रत्येक रविवार को) चलेगी । इसी प्रकार विपरीत दिशा में 07006 रक्सौल-चर्लपल्ली साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन अब दिनांक 15 अप्रैल से 03 जून 2026 तक (प्रत्येक बुधवार को) चलेगी । इस समर स्पेशल ट्रेन में 03 एसी-टूटू, 05 एसी-टूटूटू,10 स्लीपर, 04 सामान्य, 02 एसएलआर सहित कुल 24 कोच की सुविधा उपलब्ध रहेगी ।

कलेक्टर ने किया चैतमा स्वास्थ्य केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण

कोरबा। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने पाली विकासखंड के ग्राम पंचायत चैतमा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध ओपीडी सेवाओं, मरीज़ों के पंजीयन, उपचार एवं दवाइयों की उपलब्धता, लैब तथा प्रसव सुविधा की विस्तृत जानकारी ली। इसके बाद वे वार्ड में पहुँचे और वहाँ भर्ती मरीज़ों से उपचार व्यवस्था के विषय में बातचीत की। कलेक्टर ने वार्ड में भर्ती मरीज़ों के रिकॉर्ड और उपचार पर्चों की जाँच कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में अलग-अलग कमरों में संचालित हो रही ओपीडी सेवाओं को सुव्यवस्थित करते हुए प्रवेश द्वार के समीप उपलब्ध कक्ष में संचालित करने के निर्देश दिए, ताकि मरीज़ों को बेहतर सुविधा मिल सके। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने होम्योपैथी उपचार सेवाओं का अधिकाधिक लाभ मरीज़ों तक पहुँचाने के निर्देश दिए। उन्होंने गर्भवती महिलाओं की बेहतर स्वास्थ्य जाँच सुनिश्चित करने और संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। कलेक्टर ने स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध एम्बुलेंस के सुचारू संचालन हेतु वाहन चालक की तत्काल व्यवस्था करने का आश्वासन दिया।

एसईसीएल में सम्पन्न हुआ कोल इंडिया का तृतीय एचआर/ आईआर कॉन्क्लेव उत्कर्ष-पुलेला गोपीचंद के प्रेरक संबोधन के साथ समापन

■ दो दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्क्लेव में खनन क्षेत्र के लिए Future-Ready HR Roadmap पर हुई सार्थक चर्चा

बिलासपुर। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल), बिलासपुर द्वारा आयोजित कोल इंडिया लिमिटेड का तृतीय HR/IR कॉन्क्लेव उत्कर्ष 2026 दिनांक 10–11 अप्रैल 2026 को दो दिवसीय विचार-विमर्श के पश्चात सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस राष्ट्रीय स्तर के कॉन्क्लेव में कोल सेक्टर में मानव संसाधन (HR) एवं औद्योगिक संबंध (IR) के बदलते स्वरूप पर गहन चर्चा की गई। Shaping Minds, Strengthening Mines – Innovate, E&cel, Rise थीम पर आयोजित इस कॉन्क्लेव में कोल इंडिया एवं उसकी सहायक कंपनियों के 100 से अधिक HR अधिकारियों के साथ-साथ देशभर से आए उद्योग विशेषज्ञों, शिक्षाविदों एवं विचारकों ने भाग लिया। समापन दिवस पर भारत के मुख्य राष्ट्रीय बैडमिंटन कोच Pullela Gopichand के साथ एक अत्यंत प्रेरक Fireside Chat आयोजित किया गया। उन्होंने खेल और संगठनात्मक उत्कृष्टता के बीच समानताएं स्थापित करते हुए दृढ़ता, अनुशासन और निरंतर प्रयास को सफलता की आधारशिला बताया। उन्होंने कहा, आपको सफलता तब नहीं मिलती जब आप चाहते हैं, बल्कि तब मिलती है जब आप उसके योग्य बन जाते हैं, और इस बात पर बल दिया कि विपरीत परिस्थितियों में भी निरंतर प्रयास ही वास्तविक उत्कृष्टता की पहचान है। इस सत्र का संचालन एसईसीएल के निदेशक (कार्मिक) श्री बिरंची दास द्वारा किया गया। कॉन्क्लेव के दूसरे दिन Change

Adoption, Mine to Mind Transformation, Future HR Landscape तथा Strategic Workforce Planning जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श हुआ, जिसमें संगठनात्मक परिवर्तन में ॥क्र की रणनीतिक भूमिका को रेखांकित किया गया। इससे पूर्व, कॉन्क्लेव का उद्घाटन 10 अप्रैल को कोल इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष श्री बी. साईराम द्वारा वर्चुअल माध्यम से किया गया। उन्होंने Reform, Perform, Transform की दिशा में मानव संसाधन की केंद्रीय भूमिका को रेखांकित किया। अपने स्वागत उद्बोधन में एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन ने people-centric culture को बढ़ावा देने तथा कर्मचारियों के सतत विकास एवं कल्याण पर बल दिया। वहीं कोल इंडिया के मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने संगठन में ईमानदारी और सामूहिक पहचान के महत्व को रेखांकित किया। कोल इंडिया के निदेशक (कार्मिक) डॉ. विनय रंजन ने अपने मुख्य भाषण "From Mind to Mine – The HR Shift Driving Mining E&cellence" में ॥क्र की बदलती भूमिका को उत्पादकता, नवाचार एवं संगठनात्मक परिवर्तन के प्रमुख चालक के रूप में प्रस्तुत किया। दोनों दिनों में आयोजित सत्रों में प्रतिष्ठित CHROs, HR विशेषज्ञों एवं शिक्षाविदों ने नेतृत्व में विश्वास निर्माण, HR के माध्यम से मूल्य सृजन, HR में Artificial Intelligence के जिम्मेदार उपयोग तथा भविष्य के कार्यस्थल के लिए सामाजिक संवाद को सुदृढ़ करने जैसे विषयों पर विचार साझा किए।

रेलवे स्वास्थ्य इकाई कोरबा में एचपीवी टीका करण एवं स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन

बिलासपुर। महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम एवं स्वास्थ्य संरक्षण के उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा एचपीवीटीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है । इसी क्रम में आज दिनाँक 11 अप्रैल 2026 को मंडल के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा रेलवे स्वास्थ्य इकाई, कोरबा में 09 से 15 वर्ष से कम आयु की किशोर कन्याओं के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर, एचपीवी टीकाकरण एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।। इस स्वास्थ्य शिविर आयोजन का उद्देश्य महिला स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं रेलवे कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना रहा। कार्यक्रम के दौरान कुल 31 बालिकाओं को एचपीवी का टीकाकरण किया गया, जो सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके साथ ही स्वास्थ्य शिविर में कुल 63 रेलवे हितग्राहियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक परामर्श एवं उपचार प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण विषयों पर हेल्थ टॉक आयोजित की गई, जिसमें मासिक धर्म स्वच्छता, संतुलित पोषण, नियमित शारीरिक गतिविधियों तथा डिजिटल एक्सपोजर के प्रभावों पर विस्तृत एवं उपयोगी जानकारी प्रदान की गई। इस शिविर में विभिन्न स्वास्थ्य जांचें भी की गईं, जिनमें हीमोग्लोबिन जांच, सिकल सेल परीक्षण, लीवर फंक्शन टेस्ट सहित अन्य आवश्यक परीक्षण शामिल रहे। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. शेख सिराजुद्दीन, अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. शांति पूर्ति, डॉ. नीतू एस कुमार (एडीएमओ/कोरबा) एवं डॉ. अजीत ठोकल (शिशु रोग विशेषज्ञ/एनकेएच कोरबा) ने अपनी विशेषज्ञ सेवाएं प्रदान कर स्वास्थ्य परामर्श दिए।

राहगीरों की सेवा में आगे आए स्काउट-गाइड, लटोरी में प्याऊ घर की शुरुआत

सूरजपुर संवाददाता। भीषण गर्मी के मौसम में जहां आमजन को पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ता है, जिला शिक्षा अधिकारी एवं स्काउट गाइड कमिश्नर अजय मिश्रा के निर्देशन में जिले के विभिन्न स्थानों पर प्याऊ घर बनाए जा रहे हैं। वहीं शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय लटोरी के स्काउट एवं गाइड के छात्र-छात्राओं ने सेवा और पुण्य का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है। पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी विद्यार्थियों ने राहगीरों एवं जरूरतमंद लोगों को शीतल जल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लटोरी के प्रतीक्षालय में प्याऊ घर की शुरुआत की। इस सराहनीय पहल का शुभारंभ गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में हुआ, जिसमें बी.डी.सी. मोहर लाल, शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष गिरवर राजवाड़े, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के प्रबंधक सहित अन्य सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे। विद्यालय प्रमुख श्रीमती अनिता मिंज के नेतृत्व में यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विद्यालयीन स्टाफ गोविंद राजवाड़े, निरंजना सिन्हा, गंगा पैकरा, माया सिंह, पी.टी.आई. मैडम एवं अन्य शिक्षकगण सक्रिय रूप से शामिल रहे। साथ ही गाइड प्रभारी कु. दीपा सिंह एवं स्काउट प्रभारी मनोहर लाल दर्पण के मार्गदर्शन में 14 गाइड एवं 5 स्काउट विद्यार्थियों ने पूरे

उत्साह के साथ इस सेवा कार्य को अंजाम दिया। प्याऊ घर में राहगीरों को शीतल जल के साथ-साथ गुड़, चना और अंगूर का भी वितरण किया गया, जिससे यात्रियों को राहत और संतोष का अनुभव हुआ। विद्यार्थियों की इस सेवा भावना को देखकर उपस्थित सभी अतिथियों एवं नागरिकों ने उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि इस प्रकार के सेवा कार्यों से बच्चों में समाजसेवा, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं का विकास होता है।

शहर सौंदर्यीकरण को मिल रहा नया लुक,डिवाईडर बन रहे ग्रीन बेल्ट

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा शहर में सौंदर्यीकरण को नित नये आयाम दिये जा रहे हैं, सड़कों को नया लुक मिल रहा है एवं डिवाईडर ग्रीन बेल्ट के रूप में विकसित हो रहे हैं, डिवाईडरों में हरीतिमा के साथ रंग बिरंगे फूल मुस्कुरा रहे हैं। महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने निगम आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय की उपस्थिति में टीपीनगर से पावर हाउस मुख्य मार्ग क्षेत्र में निगम द्वारा किये गये रोड डिवाईडर प्लांटेशन का लोकार्पण किया। निगम द्वारा शहर की व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित करने के साथ-साथ शहर का सौंदर्यीकरण कर इसे संजाने संवारने की दिशा में नित नये काम किये जा रहे हैं, एक ओर जहाँ शहर की स्वच्छता पर फोकस रखा जा रहा है, वहीं दूसरी ओर थीम आधारित पेंटिंग चित्रकारी लघु उद्यानिकी कार्य के साथ-साथ थीम आधारित रोड साईट व डिवाईडर प्लांटेशन पर भी कार्य हो रहा है। इसी कड़ी में निगम द्वारा टीपीनगर से पावर हाउस मुख्य मार्ग क्षेत्र में स्थित मुख्य मार्ग साईट डिवाईडर पर 160 पाम के पौधें रोपित कर ग्रीन बेल्ट का स्वरूप दिया गया है। महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय की उपस्थिति में उक्त रोड डिवाईडर प्लांटेशन का लोकार्पण किया। इस मौके पर उद्यान अधीक्षक श्री आनंद राठौर ने बताया कि उक्त सम्पूर्ण मार्ग पर निगम द्वारा 600 पाम के पौधे रोपित किये जायेंगे।

'हम भीख नहीं मंगवाते' रोते बिलखते परिजनों ने लगाई न्याय की गुहार.....

सूरजपुर। संवाददाता जिले में एक बार फिर महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है। बाल संरक्षण के नाम पर की जा रही कार्रवाई अब ग्रामीणों के दर्द और आक्रोश का कारण बनती दिख रही है। कुदरगढ़ धाम से जुड़े कुछ परिवारों ने आरोप लगाया है कि उनके छोटे-छोटे बच्चों को बिना ठोस आधार के जबरन ले जाया गया, जिससे पूरे परिवार में भय और असहायता का माहौल बन गया है। मामला विकासखंड भैयाथान के ग्राम पंचायत बक्सर से जुड़ा है, जहां के ग्रामीणों ने कलेक्टर के नाम जिला पंचायत सीईओ को शिकायत पत्र सौंपते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत के अनुसार, 8 अप्रैल 2026 को चाइल्ड लाइन और बाल संरक्षण इकाई के अधिकारियों ने कार्रवाई करते हुए कई बच्चों को अपने साथ ले लिया। इनमें चंद्रशेखर की 6 वर्षीय

बेटी के साथ उनके साथी महेंद्र के 11 वर्षीय पुत्री, 9 वर्षीय पुत्र और 7 वर्षीय पुत्री भी शामिल हैं। आवेदक चंद्रशेखर ने बताया कि वह कुदरगढ़ धाम में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए बकरों को उतारने और मांस तैयार करने का काम करता है, जिससे उसे प्रतिदिन 200 से 300 रुपये की मजदूरी मिलती है। इसी कमाई से वह अपने परिवार का भरण-पोषण करता है। उनका कहना है कि उनके बच्चों को भीख मंगवाने के आरोप में उठाया गया, जबकि उन्होंने इस आरोप को पूरी तरह निराधार बताया है। ग्रामीणों का आरोप है कि कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने मजदूरों से जबरन पंचनामा और अन्य दस्तावेजों में अंगूठा लगवा लिया, जबकि उन्हें पूरी जानकारी भी नहीं दी गई। 10 अप्रैल को परिजन कलेक्टर कार्यालय पहुंचे, जहां उन्हें बताया गया कि बच्चों को 8 दिन बाद सौंपा जाएगा। इस बीच बच्चों की मांओं का रो-रोकर बुरा हाल है और परिवार मानसिक पीड़ा से गुजर रहा है। इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या बाल संरक्षण इकाई बिना पर्याप्त जांच के कार्रवाई कर रही है? क्या विभाग केवल आंकड़ों और औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए ऐसे कदम उठा रहा है? या फिर कहीं जमीनी स्तर पर संवेदनशीलता की कमी है, जिससे मासूम बच्चों और उनके परिवारों को अनावश्यक पीड़ा झेलनी पड़ रही है।

जन-कल्याणकारी योजनाओं का जमीनी संवाद,युवा नेता शशांक दुबे की पहल...

रामानुजनगर। रामानुजनगर - विकासखंड अंतर्गत ग्राम पतरापाली में युवा नेता शशांक दुबे द्वारा जन-कल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जमीनी स्तर पर संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान उन्होंने वीबी जी राम जी यानि विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण (मनरेगा) योजना के कार्यस्थल पर पहुंचकर मजदूरों के साथ समय बिताया और उनकी समस्याओं को समझा। शशांक दुबे ने बताया कि आज अपने गाँव पतरापाली में कार्यस्थल पर पसीना बहाते अपने भाइयों-बहनों के बीच समय बिताने का अवसर मिला। उनके साथ बैठकर शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी साझा की। मेरा मानना है कि जब तक अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं की जानकारी नहीं पहुंचेगी, तब तक वास्तविक विकास अधूरा रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाएं ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इन योजनाओं के माध्यम से रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं में लगातार सुधार हो रहा है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे सरकार की योजनाओं को हर जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। इस दौरान उन्होंने कार्यस्थल पर मौजूद श्रमिकों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित विभाग तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने श्रमिकों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक जानकारी और मार्गदर्शन भी प्रदान किया। ज्ञात हो कि शशांक दुबे क्षेत्र में सामाजिक कार्यों के लिए भी लगातार सक्रिय रहते हैं।

वे समय-समय पर जरूरतमंद लोगों की सहायता, युवा जागरूकता अभियान, शिक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं। उनके द्वारा किए जा रहे प्रयासों से क्षेत्र में जागरूकता बढ़ रही है और लोग शासन की योजनाओं का अधिक लाभ उठा पा रहे हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं के कारण गाँव-गाँव में विकास के नए द्वार खुल रहे हैं। विकास रुकेगा नहीं और जनता का विश्वास झुकेगा नहीं ॥ इसी संकल्प के साथ वे लगातार जनसेवा में जुटे हुए हैं। ग्रामीणों ने भी उनके इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के संवाद कार्यक्रम से उन्हें योजनाओं की सही जानकारी मिलती है और वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होते हैं।

एसईसीएल गेवरा प्रबंधन के खिलाफ ग्रामीणों ने खोला मोर्चा,7 दिन का अल्टीमेटम

कोरबा। एसईसीएल गेवरा क्षेत्र के ग्राम अमगांव (रोहिदास मोहल्ला) के ग्रामीणों ने प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पिछले तीन वर्षों से लंबित मुआवजे और पुनर्वास की मांग को लेकर ग्रामीणों ने मुख्य महाप्रबंधक को ज्ञापन सौंपते हुए 7 दिनों का अल्टीमेटम दिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि उनकी भूमि और संपत्ति का अधिग्रहण वर्ष 2004 में ही कर लिया गया था। वर्ष 2023 में मूल्यांकन और नापी की प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है, लेकिन इसके बावजूद अब तक मुआवजे का भुगतान नहीं किया गया है। ग्रामीणों ने प्रबंधन पर भेदभाव का गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मोहल्ले के प्रभावशाली लोगों को मुआवजा और पुनर्वास की सुविधा मिल चुकी है, जबकि रोहिदास समुदाय के परिवारों को जानबूझकर वंचित रखा गया है। उन्होंने इसे जातिगत शोषण बताया है। इससे पहले भी ग्राम पंचायत के 124 परिवारों को अपात्र घोषित कर मुआवजा रोकने का प्रयास किया गया था, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी और बढ़ गई है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर उनकी मांगें पूरी नहीं होती हैं, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे। विरोध स्वरूप मृत मवेशियों के साथ एसईसीएल गेवरा कार्यालय के सामने प्रदर्शन करने की बात कही गई है। ग्रामीणों का कहना है कि वे लंबे समय से शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग रख रहे हैं, लेकिन प्रबंधन की हठधर्मिता के चलते अब उन्हें सख्त कदम उठाने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

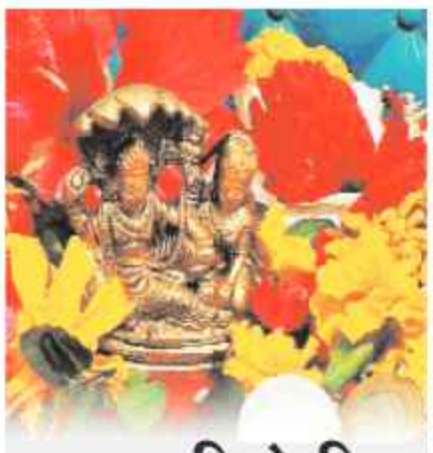

सुख-समृद्धि के लिए वरूथिनी एकादशी पर भगवान विष्णु को चढ़ाएं ये फूल

वैशाख महीने के कृष्ण पक्ष की एकादशी को वरूथिनी एकादशी कहते हैं। इस साल यह एकादशी 13 अप्रैल को है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा और व्रत करना बहुत खास माना जाता है। कहते हैं कि इस व्रत को करने से सारी इच्छाएं पूरी होती हैं और भगवान विष्णु का आशीर्वाद मिलता है। अगर आप भी इस दिन व्रत रख रहे हैं, तो पूजा करते समय भगवान विष्णु को फूल जरूर चढ़ाएं, क्योंकि इससे उनकी खास कृपा मिलती है। तो चलिए जानते हैं कि वरूथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु को कौन-कौन से फूल चढ़ाने चाहिए।

भगवान विष्णु को चढ़ाएं कमल

कमल का फूल भगवान विष्णु को बहुत पसंद है। इसे अच्छी किस्मत और तरक्की का प्रतीक माना जाता है। वरूथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु को कमल के फूल चढ़ाना बहुत अच्छा फल देता है। कमल का फूल भगवान विष्णु को अर्पित करने से जीवन में धन, दौलत और सुख-शांति मिलती है। यह फूल खासकर शुभता और अमीरी का प्रतीक है और इसे चढ़ाने से घर में पैसे की कमी दूर होती है। इसके साथ ही, यह मन को शांति और संतोष भी देता है, जिससे इंसान की परेशानियां कम होती हैं और जीवन में खुशी बनी रहती है।

भगवान विष्णु को चढ़ाएं गुड़हल

गुड़हल का फूल मां लक्ष्मी को तो पसंद है ही, साथ ही यह भगवान विष्णु के लिए भी बहुत फायदेमंद माना जाता है। यह फूल ज्यादातर लाल रंग का होता है और इसकी ताज़गी और सुंदरता भगवान विष्णु के लिए हमारी श्रद्धा को और भी बढ़ा देती है। गुड़हल का फूल चढ़ाने से इंसान को जीवन की हर तरह की रुकावटों से छुटकारा मिलता है। यह भगवान विष्णु की कृपा को अपनी ओर खींचता है, जिससे कामों में सफलता मिलती है और मन के सारे तनाव दूर हो जाते हैं। गुड़हल के फूल का इस्तेमाल खासकर शांति और अच्छी ऊर्जा बढ़ाने के लिए किया जाता है। यह फूल घर में सुख और समृद्धि लाने का काम करता है।

भगवान विष्णु को चढ़ाएं गेंदा

गेंदे के फूल का रंग भगवान विष्णु के लिए बहुत ही शुभ माना जाता है। यह फूल भगवान विष्णु के चरणों में चढ़ाने से उनकी खास कृपा मिलती है और जीवन में खुशियां आती हैं। नारंगी रंग का फूल भगवान विष्णु को चढ़ाने से इंसान के जीवन से गरीबी और मुसीबतें दूर होती हैं। यह फूल तरक्की और सफलता का प्रतीक है और इसे चढ़ाने से व्यक्ति को अपने कामों में कामयाबी मिलती है। नारंगी फूल पूजा में चढ़ाने से व्यक्ति के घर में खूब धन आता है और हर तरह की परेशानिया दूर हो जाती हैं।

इस पद्धति से पूजा करने पर बिना एक रुपए खर्च किए मिलता है अनंत गुणा पूजन का शुभ फल

धर्मशास्त्रों में पूजा को हजार गुना अधिक महत्वपूर्ण बनाने के लिये एक उपाय बतलाया गया है, वह उपाय है, मानस पूजा। मानस पूजा का प्रचार कम होने से बहुत लोग इस पूजा पद्धति से अपरिचित हैं, शास्त्रों के अनुसार मानस पूजा अवश्य अपनानी चाहिए। भगवान को किसी वस्तु की आवश्यकता नहीं, वे तो भाव के भूखे हैं। संसार में ऐसे दिव्य पदार्थ उपलब्ध नहीं हैं, जिनसे परमेश्वर की पूजा की जा सके, इसलिये पुराणों में मानस पूजा का विशेष महत्व वर्णित है।

भगवान की पूजा करते समय यदि सच्चे मन से मन :कल्पित एक पुष्प भी भगवान को अर्पण किया जाए तो करोड़ों बाहरी फूल चढ़ाने के बराबर होता है। इसी प्रकार मानस चन्दन, धूप, दीप, नैवेद्य भी भगवान को करोड़ गुना अधिक संतोष देते हैं। मानस पूजा में भक्त अपने आराध्य देव के लिए श्रेष्ठ से श्रेष्ठ पूजन सामग्री को अर्पण करने की कल्पना करता है, इस कार्य हेतु भक्त का मन इन पूजन वस्तुओं को एकत्र करने के लिए न केवल अनन्त ब्रह्माण्ड, बल्कि इसकी पहुंच से परे गोलोक, साकेतलोक, सदाशिवलोक तक पहुंच जाता है, यानी अनंत ब्रह्माण्ड में इन्द्रलोक से ब्रह्मलोक, कहीं से भी मानस पूजा में दिव्य वस्तुओं को एकत्र कर भगवान को अर्पण किया जाता है। इस प्रकार भक्त अपने आराध्य देव को दिव्य आसन देता है, वस्त्र और आभूषण पहनाता है, चन्दन लगाता है, मालाएं पहनाता है, धूप-दीप दिखलाकर नैवेद्य अर्पित करता है।

मानस पूजा विधि

वस्तुत: भगवान को किसी वस्तु की आवश्यकता नहीं, वे तो भाव के भूखे हैं। संसार में ऐसे दिव्य पदार्थ उपलब्ध नहीं हैं, जिनसे परमेश्वर की पूजा की जा सके, इसलिये पुराणों में मानस पूजा का विशेष महत्व माना गया है। मानस पूजा की संक्षिप्त विधि पुराणों से संकलित कर नीचे वर्णित है–

- **ओम लं पृथिव्यात्मकं गन्धं परिकल्पयामि।** प्रभु, मैं पृथ्वी रूप गन्ध, चन्दन आपको अर्पित करता हूं।
- **ओम हं आकाशात्मकं पुष्पं परिकल्पयामि।** प्रभु, मैं आकाश रूप पुष्प आपको अर्पित करता हूं।
- **ओम यं वाय्वात्मकं धूपं परिकल्पयामि।** प्रभु, मैं वायुदेव के रूप में धूप आपको प्रदान करता हूं।
- **ओम रं वह्न्यात्मकं दीपं दर्शयामि।** प्रभु, मैं अग्निदेवके रूप में दीपक आपको प्रदान करता हूं।
- **ओम वं अमृतात्मकं नैवेद्यं निवेदयामि।** प्रभु, मैं अमृतके समान नैवेद्य आपको निवेदन करता हूं।
- **ओम सौं सर्वात्मकं सर्वोपचारं समर्पयामि।** प्रभु, मैं सर्वात्मा के रूप में संसार के सभी उपचारों को आपके चरणों में समर्पित करता हूं।

ऊपर वर्णित मंत्रों से शुद्ध भावना पूर्वक मानस पूजा कर श्रेष्ठ फल प्राप्त किया जा सकता है।

क्यों मां दुर्गा के वस्त्र हैं लाल और मां सरस्वती के वस्त्र सफेद?

विद्या की देवी सरस्वती की वेशभूषा श्वेत क्यों है, देवियों के वस्त्र लाल रंग के ही क्यों सर्वाधिक होते हैं। प्रत्येक रंग का अपना एक विशिष्ट महत्व है, ग्रहशांति में भी सर्वप्रथम कौन-सा ग्रह पीड़ा दे रहा है, यह जानकर उस ग्रह से संबंधित वस्त्र दान करना अथवा ग्रह सबल होने पर उसी ग्रह से संबंधित रंग के वस्त्रों का प्रयोग करने की सलाह दी जाती है।

सफेद वस्त्र धारण करने वाली देवी सरस्वती जी हैं। सरस्वती जी के सफेद वस्त्र धारण करने का रहस्य यही है कि पूर्ण ज्ञान बिल्कुल श्वेत होता है और जिस समय व्यक्ति के अन्दर प्रज्ञा बुद्धि उत्पन्न होती है तो बिना सफेद वस्त्र पहने प्रज्ञा को धारण करना असंभव हो जाता है। मां सरस्वती जी इसलिए श्वेत वस्त्र धारण करती हैं। सफेद वस्त्र धारण करने का विधान उन सबके लिए है जो शुद्ध सात्विक है तथा जो विमल बुद्धि प्राप्त करना चाहते हैं और प्रज्ञा बुद्धि के इच्छुक हैं। मां सरस्वती गायन, वादन, अभिनय, नृत्य की अधिष्ठात्री हैं। लाल वस्त्र मां दुर्गा धारण करती हैं और भी समस्त देवियां लाल, पीला, गुलाबी वस्त्र धारण करती हैं। मां लक्ष्मी भी लाल वस्त्र धारण कर ही भाग्यानुसार जातकों को लक्ष्मी प्रदान करती हैं। लाल रंग शक्ति, साहस और पराक्रम का प्रतीक है। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि देवी मां दुर्गा शक्ति की देवी है, इसलिए उनका वस्त्र भी उसी शक्ति का रंग दर्शाता है।

मां दुर्गा असुरों का संहार करती हैं, लाल रंग वीरता और रणशक्ति का प्रतीक है। भारतीय परपरा में लाल रंग शुभता के साथ वीरता को दर्शाता है, शुभ कार्य जैसे, विवाह में, पूजा में, सिंदूर में लाल रंग का प्रयोग सर्वाधिक होता है। धर्मशास्त्रों के अनुसार कल्याण की देवी दुर्गा को लाल रंग अतिप्रिय है, गुड़हल का लाल पुष्प चढ़ाने से देवी शीघ्र प्रसन्न होती हैं। लाल गुलाब आदि भी देवी पर चढ़ाए जाते हैं। जैसा कि हम जानते है कि भगवे वस्त्र ऋषि-महर्षि, मुनि, संत-महात्मा धारण करते हैं, बिना भगवे वस्त्र धारण किए ये उपासना नहीं करते हैं। रंगों का चयन उनकी प्रकृति के अनुसार करने पर साधक को मनोवाछित फल प्राप्त होते हैं। उदाहरण के लिए बुध ग्रह के दान में हरी वस्तुओं का प्रयोग किया जाता है, बृहस्पति ग्रह के दान में पीली वस्तुओं का प्रयोग करना चाहिए, इसी प्रकार अलग-अलग रंग के वस्त्र एवं उनसे संबंधित वस्तुओं का प्रयोग ग्रहों के बलाबल के अनुसार करने की परम्परा है।

गुरु की बात सुनने और अनसुना करने का क्या होता है अंतिम परिणाम

अगर आपको सफलता चाहिए तो अर्जुन बनिए, दुर्योधन नहीं। कल्पना कीजिए, रणभूमि में यदि अर्जुन ने श्रीकृष्ण के उपदेशों को अनसुना कर दिया होता और वे अपने संशय में ही उलझे रहते, कर्तव्य से विमुख हो जाते तो संभवतः युद्ध का परिणाम भी भिन्न होता। कोई भी व्यक्ति अर्जुन की तरह गुरु के वचनों को स्वीकार कर अपने जीवन को दिशा दे सकता है या दुर्योधन की तरह उन्हें अनसुना कर अपने पतन के लिए स्वयं जिम्मेदार रहता है।

जीवन मे हर व्यक्ति के सामने ऐसे निर्णायक क्षण आते है, जब उसे निर्णय लेना होता है, सही निर्णय का अंतिम परिणाम सफलता और गलत निर्णय का अंतिम परिणाम असफलता होता है, लेकिन यह निर्णय लेते समय समझ में नहीं आता है। सफलता या असफलता का पता बाद में परिणाम आने पर ही पता चलता है।

महाभारत के अर्जुन, दुर्योधन के चरित्र का अध्ययन करने से यह पता चलता है कि जीवन में जिन लोगों ने अर्जुन की भांति श्रीकृष्ण रूपी मार्गदर्शक के उपदेशों को सुनकर उन पर अमल किया, वह अपने जीवन संग्राम में सफल रहे। सुमति और कुमति के रूप में व्यक्ति के अन्दर अर्जुन और दुर्योधन दोनों रहते हैं, कभी अर्जुन निर्णय लेता है तो कभी दुर्योधन। जब ग्रहदशा अच्छी हो तो व्यक्ति अर्जुन की भांति सही निर्णय एवं उचित कर्म कर परिणाम के रूप में सफलता प्राप्त करता है। वही अनिष्ट ग्रहदशा के प्रभाव से अक्सर व्यक्ति के अन्दर का दुर्योधन जाग जाता है, जो व्यक्ति को श्रीकृष्ण जैसे मार्गदर्शक की बात अनसुनी करने पर मजबूर कर देता है। निर्णायक क्षण में मार्गदर्शक श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया, अर्जुन ने मार्गदर्शक श्रीकृष्ण के वचनों को केवल सुना ही नहीं, बल्कि पूरी गहराई से समझने का प्रयास भी किया। अर्जुन ने अपने अहंकार और भ्रम को एक ओर रखकर स्वयं को एक शिष्य के रूप में समर्पित किया। यही वह बिंदु था जहा से अर्जुन के जीवन में परिवर्तन प्रारंभ हुआ। गुरु वचनों को

आत्मसात करते ही उनका मानसिक द्वंद्व समाप्त हो गया और वे अपने कर्तव्य के प्रति दृढ़ हो गए। परिणामस्वरूप, उन्होंने युद्ध में विजय प्राप्त की, आज भी अर्जुन का नाम सम्मानपूर्वक लिया जाता है। जीवन में निर्णायक क्षणों पर लिया गया निर्णय ही भाग्य का निर्माण करता है, गुरु वचन केवल सलाह नहीं, जीवन की दिशा बदलने वाला सूत्र है, अत: जब भी अपने गुरु के पास जाएँ तो उनके वचनों पर अमल अवश्य करें।

लाल किताब बताती है, शनि की स्थिति से कब बनेगा आपका अपना घर

लाल किताब में अनिष्ट ग्रहों की पीड़ा एवं दुर्भाग्य मुक्ति के उपाय के साथ ग्रह-नक्षत्रों के प्रभाव एवं उनके निदानों की चर्चा की गई है। लाल किताब की कुण्डली बनाकर देखें, कि शनि किस घर में बैठा है और उसका क्या फल है। शनि का सम्बन्ध लोहा, भवन निर्माण, मजदूर, कारीगर आदि से होने के कारण इन्हीं कारकों की प्रबलता के कारण व्यक्ति के सपनों का आशियाना बनता है।

शनि यदि पहले भाव में हो और सातवें तथा दसवें भाव में कोई भी ग्रह न हो, तो लाल किताब के मतानुसार व्यक्ति अपना मकान अवश्य ही बनाता है। शनि यदि दूसरे भाव में है तो बहुत बड़ा न सही, छोटे-छोटे दो मकान बनवाने का मौका अवश्य मिलता है। शनि यदि तीसरे भाव में है तो उपाय करने से स्वयं का मकान बनाने की सम्भावनाए बढ़ती हैं। कुत्तों को प्रतिदिन कुछ न कुछ खाने के लिए अवश्य दें, ऐसा करने पर जल्द ही मकान बनने की परिस्थितियां बनने लगेंगी।

चौथे और पांचवे भाव में शनि

चौथे भाव में शनि हो तो व्यक्ति किसी भी प्रकार से येन-केन-प्रकारेण साधनों का प्रयोग करके मकान बना ही लेता है। पंचम भाव में शनि के होने पर अगर 45 साल से पहले मकान बनता है, तो संतान के लिए कष्टकारी रहता है, इससे बचने के लिए काली गाय का दान करने का विधान बताया गया है।

छठे, सातवें और आठवे भाव में शनि

छठे भाव में शनि हो तो 40 वर्ष की आयु से पहले मकान बनना शुभ होता है। सप्तम भाव में शनि होने पर एक से अधिक मकान बनते है यानी पैतृक का लाभ भी मिलता है। अष्टम भाव में शनि के होने पर मकान बना पाने की सभावना क्षीण होती हैं, पर राहु और केतु की स्थिति अच्छी मकान बन भी सकता है। धीरे-धीरे अपनी ही कमाई से मकान बनता है।

नवम भाव में शनि

नवम भाव में शनि के होने पर व्यक्ति एक से अधिक मकान बना सकता है। लाल किताब नवम भाव में बैठे शनि वाले जातकों के लिए कहती है कि दो मकान बनाना ही शुभ फलदायी रहेगा, तीसरा मकान न बनाएं क्योंकि यह आपकी आयु के लिए खतरनाक साबित हो सकता है, खासकर यदि आपकी पत्नी गर्भवती है तो मकान का निर्माण न शुरू करें।

दसवें भाव में शनि

शनि यदि दसवें भाव में हो तो 48 वर्ष की आयु के बाद ही मकान बनाना शुभकारी है। वैसे मकान पहले भी बन सकता है, पर मकान को कहीं न कहीं अधूरा ही रहने दें वरना आमदनी में गिरावट आ सकती है अथवा भारी धनहानि हो सकती है।

ग्यारहवें और बारहवें भाव में शनि

ग्यारहवें भाव में शनि हो तो आपको 55 वर्ष के बाद मकान बनाना शुभ फलदायी होगा। बारहवें भाव में शनि आपको मकान अवश्य देता है, चाहे वह छोटा हो या बड़ा। वैसे मौका मिलते ही आपको छोटे मकान का निर्माण जरूर करा लेना चाहिए क्योंकि यह पहला मकान ही बाद में नए भव्य भवन के बनने का रास्ता खोल देता है।

मातृशक्ति के भाग्य और भविष्य को लेकर होगा महत्वपूर्ण फैसला : लक्ष्मी वर्मा राज्य सभा सांसद

दुर्ग। राज्य सभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने दुर्ग सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 भारत के लोकतंत्र में एक क्रांतिकारी कदम है। इस क्रांतिकारी कदम को उठाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त कर राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि बहुत-से दल इससे पहले भी यह विधेयक लेकर आए। कभी किसी ने एक सदन में पारित किया तो दूसरे सदन में उसको रखने की हिम्मत नहीं जुटा पाए। राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि महिलाओं को केवल वोट बैंक के तौर पर तमाम राजनीतिक दलों ने देखा, लेकिन उनका अधिकार किसी ने नहीं दिया। देश की आधी आबादी को उनका अधिकार प्रधानमंत्री श्री मोदी ने दिया है एवं सबके विकास में महिलाओं को भी जोड़ा। लोकतंत्र में महिलाओं को विधानसभा और लोकसभा में 33 प्रतिशत का आरक्षण दिया जाएगा। महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देकर प्रधानमंत्री श्री मोदी ने नारीत्व का जो सम्मान किया है, उसके लिए देश की सभी बहनें प्रधानमंत्री श्री मोदी को बहुत साधुवाद देती है कि उन्होंने इतनी ताकत के साथ भारत की संसद में इस अधिनियम को रखा है। जब इस अधिनियम को संसद के पटल पर रखा गया तब परिस्थितियाँ सकारात्मक नहीं थीं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 2029 में यह बिल लागू हो, उस दिशा में कार्य किया और अभी उस पर संशोधन आ रहा है। आने वाले समय में विधानसभा और लोकसभा में संशोधन के साथ यह बिल पारित होगा 33 प्रतिशत आरक्षण के साथ। महिलाओं ने देश में बहुत बेहतर काम किया। राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने आगे कहा कि 9667173333 इस नंबर मिस्ड कॉल करके महिलाएं नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना धन्यवाद ज्ञापित कर सकती है मैं आग्रह करती हूं कि आप सभी जरूर मिस्ड कॉल कर अपना धन्यवाद ज्ञापित करें। श्रीमती वर्मा ने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री श्री मोदी ने की, जिसका सकारात्मक परिणाम आया है। आज महिलाएं नीति-निर्धारक भी है, केवल नीति के लाभार्थी नहीं हैं। महिलाएं अब नीति बनाएंगी। जब महिलाएं सदन में बड़ी संख्या में बैठेंगी तो सकारात्मक परिणाम आएगा, जो भारत की राजनीति को परिवर्तित करेगा।आयोजित प्रेस वार्ता में महापौर अलका बाघमार, महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री कुमुद बघेल, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष तृप्ति चंद्राकर, जिला महामंत्री डॉ भारती साहू, गायत्री परिवार प्रमुख विनीता तिवारी उपस्थित रहे।

भिलाई विधायक के कथित एमएमएस प्रकरण को लेकर राजनीति तेज

पूर्व सभापति और भाजपा नेता राजेंद्र अरोरा ने पत्रकार वार्ता कर विधायक देवेंद्र यादव पर खड़े किए गंभीर सवाल

भिलाई नगर। भिलाई में विधायक के कथित एमएमएस प्रकरण को लेकर राजनीति तेज हो गई है। नगर निगम भिलाई के पूर्व सभापति और वरिष्ठ भाजपा नेता राजेंद्र अरोरा ने पत्रकार वार्ता कर विधायक देवेंद्र यादव पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। अरोरा ने पूरे मामले को संदेहास्पद बताते हुए पुलिस से निष्पक्ष और शीघ्र जांच करने की मांग की है। रविवार को भिलाई में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान राजेंद्र अरोरा ने कहा कि विधायक इस मामले में केवल भावनात्मक बयान देकर सहानुभूति बटोरने की कोशिश कर रहे हैं। यदि उन्हें वास्तव में जांच एजेंसियों पर भरोसा था, तो वे समय पर पुलिस के सामने पेश होकर बयान दर्ज कराते। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस द्वारा लगातार आठ नोटिस दिए जाने के बावजूद विधायक का बयान के लिए उपस्थित न होना जांच प्रक्रिया पर सवाल खड़े करता है। साथ ही जिस कथित जांच रिपोर्ट के आधार पर एमएमएस को फर्जी बताया गया, उसकी प्रमाणिकता और एजेंसी को लेकर भी संदेह जताया। अरोरा ने कहा कि यह वीडियो चुनाव से करीब तीन महीने पहले ही बाजार में घूम रही थी। उस समय प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी और स्वयं देवेंद्र यादव विधायक थे, इसके बावजूद तब जांच क्यों नहीं कराई गई। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि विधायक ने खुद स्वीकार किया है कि उन्होंने वीडियो देखी–तो यह वीडियो उन्हें किसने दिखाई और उन्हें इसकी जानकारी कैसे मिली।भिलाई की जनता का जिक्र करते हुए अरोरा ने कहा कि शहर के लोग समझदार हैं और इस तरह की राजनीति को भली-भांति समझते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे घटनाक्रम में एक सोची-समझी रणनीति के तहत पहले कहानी गढ़ी गई, फिर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मुद्दे को बड़ा बनाया गया।

ग्रामीण औद्योगिक पार्क सांकरा में विद्यार्थियों का पूर्व व्यावसायिक भ्रमण, हर्बल गुलाल एवं रंगोली निर्माण का प्रशिक्षण

अम्लेश्वर। पूर्व व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पीएम सेजस कुम्हारी के कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों के लिए ग्रामीण औद्योगिक पार्क सांकरा का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। इस भ्रमण में कुल 35 विद्यार्थी एवं 6 शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल हुए।

कार्यक्रम का आयोजन उमंग गोयल एवं रवि सिंगौर (सरपंच, सांकरा) के सहयोग एवं मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को हर्बल गुलाल एवं रंगोली निर्माण का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। भ्रमण के दौरान इंकी सिंघोर (सुपरवाइजर) द्वारा विद्यार्थियों को गुलाल एवं रंगोली बनाने की प्रक्रिया का प्रत्यक्ष प्रदर्शन कराया गया। विशेषज्ञों ने प्राकृतिक रंगों से गुलाल तैयार करने की विधि, उसकी गुणवत्ता बनाए रखने के उपाय तथा सुरक्षित उपयोग के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इसके साथ ही विद्यार्थियों को रंगोली निर्माण की विभिन्न तकनीकों, मशीनों द्वारा निर्माण, पैकेजिंग की विधि एवं रंगोली डिजाइन के सांचे तैयार करने की प्रक्रिया से भी अवगत कराया गया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक इस प्रशिक्षण में भाग लिया और स्वयं भी गुलाल एवं रंगोली बनाने का अभ्यास किया। इस अनुभव से उनमें रचनात्मकता के साथ-साथ स्वरोजगार के प्रति रुचि विकसित हुई। विद्यालय के शिक्षकों ने बताया कि इस प्रकार के पूर्व व्यावसायिक भ्रमण विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह कार्यक्रम विद्यालय की प्राचार्य विजया श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना से कुमिता के सपनों को मिले 'समय' के पंख

नियमित लाइब्रेरी में पढ़ाई के लिए परिवहन की बाधा हुई दूर

अम्बिकापुर। शिक्षा और आत्मनिर्भरता की राह में जब परिवहन की बाधा दूर होती है, तो सफलता की कहानी खुद-ब-खुद लिखी जाने लगती है। सरगंवा की रहने वाली कुमिता की कहानी भी कुछ ऐसी ही है, जिनके लिए मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना केवल एक वाहन नहीं, बल्कि उनके करियर की उड़ान का जरिया बन गई है। कुमिता वर्तमान में न्व्ब् छम्ज् जैसी प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा की तैयारी कर रही हैं। इसके लिए वे प्रतिदिन सरगंवा से लाइब्रेरी आती हैं। कुमिता बताती हैं कि पहले क्षेत्र में बसों की भारी किल्लत थी। उन्होने बताया कि पहले बस का विकल्प नहीं था, तो बहुत जल्दी वापस लौट जाती थी। इस वजह से उन्हें न चाहते हुए भी लाइब्रेरी से जल्दी निकलना पड़ता था। पढ़ाई के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा था और टाइम मैनेज करना एक बड़ी चुनौती बन गई थी। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना से बदला परिदृश्य- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी की पहल पर शुरू हुई 'मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना' ने कुमिता जैसी हजारों छात्राओं की राह आसान कर दी है। अब बस न केवल समय पर उपलब्ध है, बल्कि गाँव-गाँव और गली-गली तक पहुँच रही है। कुमिता अब अपने समय का बेहतर प्रबंधन कर पा रही है, जिससे वह देर तक निश्चित होकर लाइब्रेरी में पढ़ाई कर सकती हैं। बस की निर्धारित समय-सारणी के कारण उन्हें देर रात घर लौटने का डर नहीं रहता, जिससे उनकी सुरक्षा की भावना बढ़ी है। इसके साथ ही, जिन गाँवों तक पहले बस सेवा उपलब्ध नहीं थी, वहाँ अब सुगम आवाजाही संभव हो गई है। योजना के लिए जताया आभार-कुमिता अपनी खुशी साझा करते हुए कहती हैं कि, अब मैं फिक्स टाइम पर घर पहुँच जाती हूँ। इस बस सेवा ने मुझे पढ़ने के लिए एक्स्ट्रा टाइम दे दिया है। हमारे मुख्यमंत्री जी की वजह से अब ग्रामीणों को आने-जाने में कोई परेशानी नहीं हो रही है। मैं इस सुविधा से बहुत खुश हूँ।

प्तप्त दिल दहला देने वाली वारदातः दुर्ग में बोरे में बंद मिली 5 साल की मासूम, मुंह पर बंधा था तकिया कवर

(दुर्ग)उतई। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के उतई थाना क्षेत्र में इंसानियत को शर्मसार करने वाली एक घटना सामने आई है। शुक्रवार को एक 5 साल की मासूम बच्ची कुएं के पास बोरे में बंद हालत में मिली। बच्ची का मुंह तकिया कवर से बंधा हुआ था और वह बुरी तरह सहमी हुई थी। इस घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने रातभर थाने का घेराव कर जमकर हंगामा किया।

घर के बाहर से हुई थी लापता-मिली जानकारी के मुताबिक, मासूम बच्ची शुक्रवार को अपने घर के बाहर से अचानक लापता हो गई थी। काफी तलाश के बाद भी जब उसका पता नहीं चला, तो परिजनों और ग्रामीणों ने खोजबीन तेज की। इसी बीच गांव के दो युवकों की नजर कुएं के किनारे पड़े एक हिलते हुए बोरे पर पड़ी। शक होने पर जब बोरा खोला गया, तो उसके अंदर मासूम बच्ची को देख सबके होश उड़ गए।

अस्पताल में भर्ती, दुष्कर्म की कोशिश की आशंका-बच्ची को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज और मेडिकल परीक्षण जारी है। डॉक्टरों के अनुसार, बच्ची गहरे सदमे में है। पुलिस को अंदेशा है कि बच्ची का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म की कोशिश की गई है। मौके पर पहुंची एफएसएल (स्नस्) की टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस ने इस मामले में एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया है, जिससे पूछताछ की जा रही है।

ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, पुलिस ने किया बल प्रयोग-घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और महिलाएं उतई थाने पहुंच गए। आक्रोशित भीड़ ने आरोपी को फांसी देने की मांग करते हुए थाने का घेराव कर दिया। स्थिति तनावपूर्ण होते देख पुलिस को भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। पुलिस अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि मामले की जांच हर पहलू से की जा रही है और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

वायरल वीडियो मामला में थाना पहुंचे विधायक देवेंद्र यादव, जांच की धीमी गति पर नाराजगी जताई

भिलाई नगर। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव के कथित आपत्तिजनक वायरल वीडियो मामले में सोमवार को नया घटनाक्रम सामने आया। विधायक देवेंद्र यादव खुद भिलाई नगर थाना पहुंचे और पुलिस अधिकारियों से अब तक हुई कार्रवाई का ब्यौरा मांगा। इस दौरान उन्होंने जांच की धीमी गति पर नाराजगी जताते हुए सरकार और पुलिस प्रशासन पर सवाल खड़े किए।छवि खराब करने की बड़ी साजिश थाना प्रभारी से मुलाकात के दौरान विधायक ने कहा कि यह वीडियो पूरी तरह भ्रामक है और उनकी राजनीतिक छवि को धूमिल करने के लिए चुनाव के दौरान सुनियोजित तरीके से वायरल किया गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे इस मामले में प्रार्थी हैं और उन्होंने खुद ही एफआईआर दर्ज कराई थी, लेकिन लंबा समय बीत जाने के बाद भी पुलिस किसी नतीजे पर नहीं पहुंची है।सरकार पर साधा निशाना मीडिया से चर्चा करते हुए देवेंद्र यादव ने भाजपा पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, -जब भाजपा के किसी नेता का वीडियो सामने आता है, तो तुरंत सीबीआई जांच बिठा दी जाती है। मैंने खुद विधानसभा में इस मामले की सीबीआई जांच की मांग रखी थी, लेकिन सरकार अब तक मौन है। आखिर असली दोषियों को बचाने का प्रयास क्यों किया जा रहा है?-पुलिस से की त्वरित कार्रवाई की मांगविधायक ने पुलिस अधिकारियों से मांग की कि वीडियो की सत्यता की जांच जल्द पूरी की जाए और उन चेहरों को बेनकाब किया जाए जिन्होंने इसे सोशल मीडिया पर प्रचारित किया था। उन्होंने कहा कि वे निर्दोष हैं और जांच में हर संभव सहयोग के लिए तैयार हैं, बशर्ते जांच निष्पक्ष और पारदर्शी हो।

'दुर्ग में संभागीय न्यायिक सेमीनार, 120 जज शामिल हुए

मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा ने नए कानूनों को बताया भविष्य की जरूरत

दुर्ग/.लोकतंत्र प्रहरी। दुर्ग संभाग के न्यायिक अधिकारियों हेतु एक दिवसीय संभागीय न्यायिक सेमीनार का आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी द्वारा जिला न्यायालय, दुर्ग में किया गया। इस सेमीनार में दुर्ग संभाग के पाँच सिविल जिलों से कुल 120 न्यायिक अधिकारियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा, मुख्य न्यायाधिपति, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं मुख्य संरक्षक, छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी द्वारा न्याय एवं विधिक ज्ञान के प्रकाश का प्रतीक दीप का प्रज्वलन कर सेमीनार का शुभारंभ किया गया। सेमीनार में न्यायमूर्ति रजनी दुबे, तथा न्यायमूर्ति रवीन्द्र कुमार अग्रवाल, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य न्यायाधिपति ने नव अधिनियमित आपराधिक कानूनों के महत्व पर बल देते हुए कहा कि ये कानून आपराधिक न्याय प्रणाली के आधुनिकीकरण की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम हैं, जिनमें तकनीकी प्रगति का समावेश किया गया है तथा अधिक प्रभावी और पीड़ित-केंद्रित दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया गया है। न्यायिक अधिकारियों को इन अधिनियमों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु उनका स्पष्ट एवं व्यावहारिक समझ विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। सेमीनार के विषयों पर प्रकाश डालते हुए मुख्य न्यायाधिपति ने कहा कि चयनित विषय अत्यंत व्यावहारिक महत्व के हैं तथा ये निचली अदालतों के समक्ष आने वाली दैनिक चुनौतियों को प्रतिबिंबित करते हैं। परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 के अंतर्गत प्रकरणों के संदर्भ में उन्होंने शीघ्र निराकरण हेतु नवाचारी प्रकरण प्रबंधन तकनीकों एवं उपकरणों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे प्रक्रियात्मक निष्पक्षता बनाए रखते हुए लंबित प्रकरणों का प्रभावी निपटारा सुनिश्चित किया जा सके। मुख्य न्यायाधिपति ने इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य के बढ़ते महत्व पर भी सेमीनार में प्रकाश डाला तथा ई-साक्ष्य की अवधारणा, विशेष रूप से भारतीय साक्ष्य अधिनियम के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक अभिलेखों की ग्राह्यता पर चर्चा की। न्यायिक अधिकारियों को डिजिटल साक्ष्य से संबंधित वैधानिक प्रावधानों से भली-भांति परिचित रहने की सलाह दी गई। अपने उद्बोधन के समापन में मुख्य न्यायाधिपति ने विश्वास व्यक्त किया कि यह सेमीनार प्रतिभागियों के ज्ञान एवं कौशल को समृद्ध करेगा तथा न्यायिक कार्यों में आने वाली चुनौतियों के समाधान हेतु व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करेगा। मुख्य न्यायाधीश ने पुनः यह प्रतिपादित किया कि न्यायपालिका की शक्ति उसकी दक्षता, निष्पक्षता एवं न्याय के प्रति अटूट प्रतिबद्धता में निहित है तथा न्यायिक अधिकारियों की भूमिका विधि के शासन को सुदृढ़ करने एवं जनता के विश्वास को बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग ने स्वागत भाषण दिया, जिसमें उन्होंने निरंतर न्यायिक शिक्षा और विचारों के आदान-प्रदान के महत्व पर जोर दिया। इसके बाद निधि शर्मा तिवारी, निदेशक, छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी, बिलासपुर ने परिचयात्मक भाषण दिया, जिसमें उन्होंने सेमीनार के उद्देश्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की और बदलते कानूनी परिदृश्य में क्षमता निर्माण की बढ़ती आवश्यकता पर बल दिया। उद्घाटन सत्र का समापन दुर्ग के द्वितीय जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। सेमीनार का एक महत्वपूर्ण और निर्णायक क्षण -मध्यस्थता 2.0 द्वद्धस्त्रऋ- दुर्ग के लिए मध्यस्थता रणनीति मॉडल- नामक प्रकाशन का विमोचन था, जिसका अनावरण मुख्य न्यायाधिपति के हाथों हुआ। उनकी गरिमामय उपस्थिति में मध्यस्थता पर इस महत्वपूर्ण कृति के विमोचन ने कार्यक्रम को एक विशिष्ट आयाम प्रदान किया और सौहार्दपूर्ण विवाद समाधान के प्रति न्यायपालिका की प्रगतिशील प्रतिबद्धता का प्रतीक बना। आयोजित सेमीनार में कुल 120 न्यायिक अधिकारियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न महत्वपूर्ण विधिक विषयों पर प्रस्तुतिकरण दिए गए, जिनमें आदेश 7 नियम 10 एवं नियम 11, सिविल प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत न्यायालय की अधिकारिता एवं वादपत्र निरस्तीकरण की शक्ति, निष्पादन प्रकरणों के शीघ्र निराकरण हेतु रणनीतियाँ, धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम के प्रकरणों के निपटारे हेतु तकनीक एवं उपाय, धारा 351 बी.एन.एस.एस. के अंतर्गत अभियुक्त के परीक्षण का उद्देश्य, ग्राह्यता एवं साक्ष्य मूल्य, तथा ई-साक्ष्य का अवलोकन एवं धारा 63 के अंतर्गत उसके वैधानिक प्रावधान जैसे विषय शामिल रहे। सेमीनार का उद्देश्य न्यायिक अधिकारियों के ज्ञान एवं कौशल में अभिवृद्धि करना तथा न्यायिक प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी एवं समयबद्ध बनाना रहा। आयोजित सेमीनार में नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन एवं न्यायिक अधिकारियों की दक्षता वृद्धि के उद्देश्य से एक रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन किया गया, जिसमें जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, चतुर्थ एफटी.एस.सी. (पॉक्सो), दुर्ग द्वारा भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला गया। वहीं, व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी, धमधा द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में उपस्थित न्यायिक अधिकारियों को नवीन आपराधिक कानूनों की महत्वपूर्ण धाराओं, उनके व्यावहारिक अनुप्रयोग तथा न्यायिक प्रक्रियाओं में आए बदलावों से अवगत कराया गया। सेमीनार के दौरान प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए विषय से संबंधित जिज्ञासाओं का समाधान भी प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल, रजिस्ट्री के अधिकारीगण तथा दुर्ग, बालोद, बेमेतरा, कवर्धा एवं राजनांदगांव जिलों के न्यायिक अधिकारीगण उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com